

मनेन्द्रगढ़

29 मई 2026
शुक्रवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

धार भोजशाला मामले

में सुप्रीम कोर्ट में लगी तीसरी याचिका, हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती इंदौर, एजेंसी। धार भोजशाला विवाद में अब सुप्रीम कोर्ट में तीसरी याचिका लगी है। सुप्रीम कोर्ट अब भोजशाला से जुड़ी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर सकता है। तीसरी याचिका जिब्रान अंसारी ने प्रस्तुत की है। तीनों याचिकाओं पर अब तक कोर्ट ने सुनवाई शुरू नहीं की है। उधर, हिंदू पक्ष भी सुप्रीम कोर्ट में लगी याचिकाओं को लेकर तैयारी कर रहा है। पूर्व में ही सुप्रीम कोर्ट में भोजशाला मामले में कैबिनेट दायर की जा चुकी है, ताकि बिना पक्ष सुने स्टे न मिल सके। भोजशाला को इंदौर हाईकोर्ट ने हिंदू मंदिर माना है। इस फैसले को मुस्लिम पक्ष ने चुनौती देते हुए विशेष अनुमति याचिका दायर की है। पहले शहर काजी, फिर कमाल मोला वेलफेयर सोसायटी और अब जिब्रान अंसारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। पिछली याचिकाओं पर अभी तक हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं हो पाई है। हाईकोर्ट का फैसला आने के छह दिन बाद मुस्लिम पक्ष ने रात साढ़े आठ बजे कोर्ट में याचिका लगाई थी। कमाल मोला मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल समद ने कहा कि हमारे पास सरकारी दस्तावेज और पुख्ता प्रमाण हैं, जिनके आधार पर हम सुप्रीम कोर्ट में साबित करेंगे कि धार का परिसर मंदिर नहीं, मस्जिद है। हाईकोर्ट ने एएसआई की जिस रिपोर्ट में भोजशाला को मंदिर बताया, वही पूर्व की रिपोर्ट में भोजशाला को मस्जिद बताया रही है।

पूर्व सरपंच मां-बेटे सहित 4 लोगों की जिंदा जलाकर हत्या



अजमेर, एजेंसी। अजमेर में स्कॉपियों में पूर्व सरपंच मां-बेटे सहित 4 लोगों की जिंदा जलाकर हत्या कर दी। घटना शहर से करीब 60 किलोमीटर दूर बोराना थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह 5:30 बजे की है। हालांकि पुलिस हादसा या हत्या दोनों एंगल से मामले की जांच में जुटी है। घटना श्रीरामपुरा गांव में हुई। इसमें पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी, उनकी मां और पूर्व सरपंच पुत्री देवी, पत्नी सुरजान देवी और भाजी महिमा की हत्या की गई। तीन शव गाड़ी में पीछे की तरफ थे। सुरजान देवी की अघजली बोड़ी खेत में पड़ी थी। सुरजान देवी जिला परिषद मेंबर थीं। बताया जा रहा है कि परिवार को गैस से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, पुत्रीदेवी के सीने में दर्द हो रहा था। इसलिए रामसिंह उन्हें लेकर हॉस्पिटल जा रहे थे।

इंदौर शहर काजी बोले- गाय को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करें

नमाजियों ने हाथ उठाकर किया समर्थन; बारिश का पानी जमीन में उतारने अपील

इंदौर, एजेंसी। इंद के मौके पर देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर से सांप्रदायिक सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत तस्वीर सामने आई है। यहां सदर बाजार स्थित इंदगाह में नमाज से ठीक पहले शहर काजी डॉ. इशरत अली ने समाज को सद्भाव का संदेश दिया। उन्होंने खुले मंच से गाय को राष्ट्रीय धरोहर मानने की वकालत की, जिसका वहां मौजूद हजारों नमाजियों ने हाथ उठाकर समर्थन किया। इसके बाद शांतिपूर्वक इंद की नमाज अदा की गई।



ताकि गाय काटने पर पाबंदी लग जाए: गाय को हमसया कौम के लोग बड़े एहताराम से देखते हैं। मुसलमानों पर ये इलजाम लगता है कि ये काटकर खाते हैं। अभी कुछ टाइम से मांग उठ रही है कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए। हम मांग करते हैं कि गाय को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जाए, ताकि उसके कटने पर पाबंदी लग जाय। शहर काजी ने पानी बचाने को लेकर भी अपील की। उन्होंने कहा-



बारिश के पानी को जमीन में उतारें, ये न सोचें कि सरकारी करोगी, प्रशासन करेगा। ये सब आते-जाते रहते हैं। हमें आपको सोचना होगा।

मुसलमान ही बेच रहा नशा, इससे बचें : काजी इशरत अली ने एक और बात दमदारी से कहा- नशा बहुत बड़ी चिंता का विषय है। मुसलमान ही नशा बेच रहा है। इसमें औरतें भी शामिल हैं। उन्होंने कहा- इंदौर में नशे का मुद्दा सबसे पहले मैंने उठाया है।



गुजरात में संक्रमण से 4 शेर शावकों की मौत

बेबेसिया वायरस फैलने की आशंका; 17 शेर आइसोलेशन में रखे; सीएम ने हाईलेवल मीटिंग बुलाई

है। अन्य शेरों में बीमारी के लक्षण नहीं मिले हैं। वन विभाग की ओर से रोजाना रिपोर्ट तैयार की जा रही : वन विभाग अमरेली और भावनगर जिलों के महसूली क्षेत्र में मौजूद शेरों पर भी लगातार नजर रख रहा है। विभाग की ओर से रोजाना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। गर्मी की शुरुआत में फैलने वाली मौसमी बीमारियों को देखते हुए गिर क्षेत्र के 350 से ज्यादा शेरों के लिए डी-टिकिंग (कीड़े हटाने) और दूसरे स्वास्थ्य संबंधी उपाय किए जा रहे हैं। इस अभियान में जूनागढ़ वेटरनरी कॉलेज के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम भी शामिल की गई है। वन मंत्री अर्जुन मोडवाडिया ने मंगलवार को बताया

2018 में गुजरात में 11 शेरों की मौत

इससे पहले 2018 में गुजरात में एक महीने के भीतर 11 शेरों की मौत हुई थी। तब मौतों की वजह कैनाइन डिस्टेंपर वायरस और प्रोटोजोआ संक्रमण का मिश्रण माना गया था। 2025 गुजरात में एशियाई शेरों की संख्या बढ़कर 891 हो गई है।

पटना-गंगा में 15 लोगों से भरी नाव डूबी, 3 मौतें



4 लोग लापता, मरने वालों में बाप बेटे भी, चश्मदीद बोले- तेज हवा से डगमगाई नाव

बाढ़, पटना, पटना के बाढ़ में गंगा में नाव पलटने से 3 लोगों की डूबने से मौत हो गई। जबकि 4 लापता बताए जा रहे हैं। 7 लोगों को बचा लिया गया है। नाव पर करीब 14 लोग सवार थे। जिसमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। हादसा बाढ़ के उमानाथ इलाके में हुआ है। मृतकों की पहचान नीलम कुमारी (30), श्रवण महतो (36) और काशी कुमारी

(15) के रूप में हुई है। श्रवण और काशी का संबंध पिता-बेटे का है।

घायलों में राहुल कुमार, ममता देवी, कबूतरी कुमारी और 16 साल की एक नाबालिग लड़की शामिल हैं। बाकी 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है। नाव पर सवार सभी लोग बाढ़ थाना क्षेत्र के मासूमगंज बिंद टोली के निवासी थे।

तेज हवा और अधिक लोड का कारण पलटी नाव :जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की सुबह 5:45 बजे बिंद टोली के 14 लोग नाव से समस्तीपुर जिला के सुल्तानपुर दिरारा गए थे। बाढ़ से लोग अक्सर सब्जी तोड़ने और खेती के काम उस इलाके में जाते हैं। वापस लौटने



अचानक डगमगाने लगी नाव, तेज धार में बहे लोग

नाव पर सवार लोगों ने बताया कि, जैसे ही नाव नदी की बीच धारा में पहुंची, डगमगाने लगी। हमलोग कुछ समझते तब इतने में नाव नदी में डूब गई। धारा इतनी तेज थी कि कुछ सवारियां तो बह गईं, उन्हें बचाने तक का मौका नहीं मिला। डूबते नाव को देखकर आसपास मौजूद मल्लाहों और स्थानीय मोताखोरों ने गंगा में छलांग लगा दी और 7 लोगों को बचा लिया। इन सबको इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भेजा गया। 15 लोगों के रेस्क्यू के लिए सख्ख की टीम लगी है।

के दौरान तेज हवा और क्षमता पलट गई। नाव पर बचाव के से अधिक लोड के कारण नाव उपकरण भी नहीं थे।

टिवशा केस-गिरिबाला की गिरफ्तारी अब कभी भी

पूछताछ कर रही सीबीआई; 3डी कैमरे से 360 डिग्री एंगल पर घर के विजुअल रिकॉर्ड किए जा रहे

भोपाल, एजेंसी। भोपाल के चर्चित टिवशा शर्मा मौत मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द कर दी है। हाईकोर्ट ने बुधवार देर रात 17 पन्नों का आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा- मामले की गंभीरता, सबूत और जांच की स्थिति को देखते हुए आरोपी पक्ष को राहत देना उचित नहीं था। कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत ने केस खयरी और साक्ष्यों का सही तरीके से परीक्षण नहीं किया। डेडबॉडी पर चोटों के कई निशान थे, जिनका आरोपी पक्ष संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद गुरुवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे गिरिबाला सिंह के घर सीबीआई की टीम पहुंची थी।



समर्थ 29 मई तक सीबीआई रिमांड में

इससे पहले मामले में आरोपी बनाए गए टिवशा के पति समर्थ सिंह को अदालत में पेश करने के बाद सीबीआई ने अपनी हिरासत में ले लिया है। कोर्ट ने उसे 29 मई तक सीबीआई रिमांड पर भेजा है। इसके बाद एजेंसी उससे लगातार पूछताछ कर रही है।

12 मई की रात हुई थी टिवशा की सदित्ग्य हालात में मौत

12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स में टिवशा की सदित्ग्य हालात में मौत हुई थी। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। 124 मई को भोपाल AIMS में दिल्ली AIMS की टीम ने टिवशा की डेड बॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। इसके बाद शाम को भद्रबाद रमशन घाट में टिवशा का अंतिम संस्कार किया गया। भाई मेजर हर्षित ने मुखाग्नि दी थी।

शिक्षा मंत्री का छात्रों को आश्वासन कोई भी शिकायत अनसुलझी नहीं छोड़ेंगे, शुरू हुई पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया

नई दिल्ली

शिक्षा मंत्री ने गुरुवार को सीबीएसई अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की। उन्होंने माना कि ओएसएम प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं और कहा 'उसका मैं दायित्व लेता हूँ'। प्रधान ने बताया कि पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास और पीएसयू बैंकों की मदद से सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। किसी भी छात्र को शिकायत को अनसुलझा नहीं छोड़ा जाएगा।

सीबीएसई कक्षा 12 परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर उठे विवाद के बीच केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मदेव प्रधान ने बुधवार को सीबीएसई मुख्यालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में पुनर्मूल्यांकन और वेरिफिकेशन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को आ रही तकनीकी और भुगतान संबंधी समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक के बाद शिक्षा मंत्री ने कहा कि सीबीएसई ने कक्षा 12 परीक्षाओं के लिए पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस वर्ष करीब 17 लाख छात्र परीक्षा में शामिल हुए हैं। कुल 98 लाख उत्तर पुस्तिका कॉपियों का मूल्यांकन किया गया, जिनमें लगभग 40 करोड़ स्कैन किए गए पन्ने शामिल थे।



पहली बार लागू हुई डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली

धर्मदेव प्रधान ने बताया कि पहली बार सीबीएसई ने डिजिटल मूल्यांकन यानी ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) प्रणाली लागू की है। इसका उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और प्रक्रिया को छात्र-केन्द्रित बनाना है। उन्होंने कहा कि अब छात्र अपनी स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाएं देख सकते हैं, अंकों की जांच कर सकते हैं और किसी भी त्रुटि पर सवाल उठा सकते हैं। अब तक लगभग 4 लाख छात्र अपनी उत्तर पुस्तिकाएं पब्लिस कर चुके हैं, जिनमें करीब 11 लाख कॉपियां शामिल हैं। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस पूरी तकनीकी प्रक्रिया की निगरानी के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी मद्रास जैसे प्रमुख संस्थाओं को शामिल किया गया है। वहीं भुगतान प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए SBA, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ोदा और केनरा बैंक के पेमेंट गेटवे को जोड़ा गया है। धर्मदेव प्रधान ने माना कि प्रक्रिया में कुछ विसंगतियां सामने आई हैं और सरकार इसकी जिम्मेदारी स्वीकार करती है। उन्होंने कहा, 'पहली बार देश में सीबीएसई ने ओएसएम प्रक्रिया का इस्तेमाल किया। उसमें कुछ विसंगतियां ध्यान में आ रही हैं, जिनका मैं दायित्व लेता हूँ, उसको ठीक किया जाएगा, उसका उपाय लिया जाएगा।

यूपी में ब्लास्ट की साजिश रच रहे 4 लड़के अरेस्ट

माजपा दफतर, अस्पताल-स्कूल निशाने पर थे; पाकिस्तानी डॉन ने टारगेट दिया था

सहारनपुर, एजेंसी। यूपी में बुधवार को एंटी टेरिस्ट स्कॉड (ATS) और स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये भाजपा दफतरों, अस्पताल, स्कूल और अन्य कई संवेदनशील ठिकानों पर ब्लास्ट करने की साजिश रच रहे थे। सदस्यों आतंकीयों में 2 सहारनपुर के रहने वाले हैं। जबकि तीसरा हरिद्वार और चौथा मुजफ्फरनगर का रहने वाला है। चारों को सहारनपुर से पकड़ा गया है। आरोपी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के कन्हने पर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आबिद जट्ट के संपर्क में थे। इस्तेमाल पर उनकी शहजाद भट्टी और आबिद जट्ट से बातचीत होती थी। आबिद जट्ट ने उन्हें देश की एक राजनैतिक पार्टी के कार्यालय, अस्पताल और एक व्यक्ति, जिसके कई स्कूल हैं, उनको निशाना बनाकर उड़ाने के लिए, रेकी करने के लिए कहा था।

तनाव

ईरान के बाद ओमान को ट्रम्प की धमकी : कहा

होर्मुज पर किसी का कंट्रोल बर्दाशत नहीं, उड़ा देंगे, मुझे चुनाव की परवाह नहीं

तेहरान/वाशिंगटन डीसी, एजेंसी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ईरान के बाद अब ओमान की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और यहां किसी एक देश का कब्जा नहीं हो सकता। दुनिया के सभी जहाजों को यहां से गुजरने की आजादी होगी।

ट्रम्प ने कहा कि हम इस पर नजर रखेंगे, लेकिन इसे कोई कंट्रोल नहीं करेगा। ईरान इसे कंट्रोल करना चाहता है, लेकिन ऐसा नहीं होगा। यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है। ओमान को भी बाकी देशों की तरह व्यवहार करना होगा, नहीं तो उसे उड़ा देंगे। इससे पहले



ट्रम्प ने कहा था कि ईरान को लगा था कि वह बातचीत से पीछे हट जाएंगे, लेकिन अब तेहरान के पास समझौता करने के अलावा

देंगे। उन्हें लगा कि मेरे सामने इसकी परवाह नहीं है। ईरान अब मिडटर्म चुनाव हैं, लेकिन मुझे सिर्फ समझौता करना चाहता है।

ईरान-अमेरिका डील का दावा- अमेरिका ने रिपोर्ट को बताया झूठ-

ईरान ने दावा किया कि अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने के लिए शुरुआती समझौता ड्राफ्ट तैयार हुआ है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट में शिपिंग बहाल करने और अमेरिकी सैन्य मौजूदगी घटाने का प्रस्ताव शामिल है। व्हाइट हाउस ने ईरानी मीडिया की शांति समझौते वाली रिपोर्ट को पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत बताया। अमेरिका ने कहा कि दोनों देशों के बीच किसी भी तरह का आधिकारिक ड्राफ्ट तैयार नहीं हुआ है।

लेबनान में इजराइली हमले तेज

दक्षिणी लेबनान में इजराइल के ताजा हवाई हमलों में कम से कम 31 लोगों की मौत हुई और 40 घायल हुए। लगातार हमलों के बीच लोगों में दहशत है और बड़े पैमाने पर पलायन जारी है। इजराइल ने गाजा में हवाई हमले में हमास सैन्य शाखा के नए कमांडर मोहम्मद ओदेह को मारने का दावा किया। हमला गाजा सिटी की रिहायशी इमारत पर कई महीनों की निगरानी के बाद किया गया।

12 जून से फरीदाबाद गुरुग्राम के 4 टोल हो सकते हैं फ्री

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद से गुरुग्राम और सोहना हर दिन आने-जाने वाले एक लाख से अधिक लोगों को टोल टैक्स से अगले महीने राहत मिल सकती है। टोल वसूली करने वाली रिलायंस कंपनी का करार 12 जून को पूरा हो रहा है। हालांकि, कंपनी ने करार अग्रे बरकरार रखने की अनुमति प्रदेश सरकार से मांगी है जो अभी विचाराधीन है। उधर, बड़खल विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनेश अदलखा ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर टोल हटाने की मांग की है। करार आगे न बढ़ाने का भी आग्रह किया है।

दो फरीदाबाद और दो टोल गुरुग्राम में: इस परियोजना का नाम गुरुग्राम फरीदाबाद टोल रोड है। 2009 में इस परियोजना के तहत रिलायंस इंफ्रा कंपनी ने फरीदाबाद से गुरुग्राम और बल्लभगढ़ से सोहना तक सड़क बनाई गई थी।

2012 में यह काम पूरा हुआ जो रिलायंस कंपनी गुरुग्राम के बंधवाड़ी और नूहेरा में और फरीदाबाद के पाखल और



पॉली क्रेशर जोन में चार टोल लगाकर वसूली करने लगी। परियोजना के तहत बनी सड़क के रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी इसी कंपनी की है।

अब मियाद हो रही है पूरी: वसूली

करने का समय 31 मई 2026 तक तय किया गया था।

लेकिन कंपनी ने कई कारण गिनाते हुए 12 जून तक इसे बढ़ाने के लिए कहा, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। इतना ही

नहीं अब कंपनी वसूली की समय-सीमा और बढ़ाने के लिए सरकार से आग्रह कर रही है। हालांकि लोक निर्माण विभाग ने इसका विरोध किया है और यह समय-सीमा न बढ़ाने की सिफारिश की है।

'अक्सर गुरुग्राम व सोहना आना-जाना होता है। टोल टैक्स देने के बावजूद वाहनों की लंबी लाइन में लगना पड़ता है। जब समय-सीमा खत्म हो गई है तो टोल भी हटाना चाहिए। इससे हजारों वाहन चालकों को राहत मिलेगी। फरीदाबाद के हजारों लोगों की रिश्तेदारी गुरुग्राम व सोहना में है। यहां से लोग नौकरी के लिए भी बड़ी संख्या में जाते हैं। इसलिए अब टोल हटाना चाहिए। इससे लोगों की जेब पर बोझ कम होगा।

इस टोल प्लाजा की निर्धारित समय सीमा पूरी होने वाली है। ऐसे में यदि सरकार इसे आगे न बढ़ाकर बंद कर देती है तो यह जनहित में बेहद सराहनीय कदम होगा। इसे आगे चलाना जनता पर अनावश्यक बोझ डालने जैसा होगा। फरीदाबाद-गुरुग्राम मार्ग सबसे व्यस्त रूट है। पीक आवर्स में टोल वसूली के चक्कर में जाम लग जाता है। इससे लोगों का समय तो बर्बाद होता ही है, साथ ही ईंधन भी फिजूल खर्च होता है।

गाजियाबाद में 67 हजार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल, सरकार से मिलेगी आर्थिक मदद



गाजियाबाद, एजेंसी। शासन के निर्देश पर जिले की 67 हजार ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा, इसके लिए उनको राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है, महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को जागरूक करने के लिए उनको सिलाई कढ़ाई से लेकर मोबाइल रिपैरिंग, खेती करने, बैंकिंग कार्य करने, मिट्टी के बर्तन बनाने, गिफ्ट आइटम बनाने, फैंसी ड्रेस तैयार करने सहित अन्य कार्य करने के लिए प्रशिक्षण दिलाया जाता है। प्रशिक्षण देने के बाद सरकार की ओर से महिला स्वयं सहायता समूह को कारोबार शुरू करने के लिए आर्थिक रूप से सहायता भी दी जाती है, कम ब्याज दर पर बैंक से लोन दिलाया जाता है। वर्तमान में 2,400 महिला स्वयं सहायता समूह हैं। वित्तीय वर्ष 2026 - 27 में सरकार ने जिले में 6,700 नए महिला स्वयं सहायता समूह बनाने के निर्देश दिए हैं। एक महिला स्वयं सहायता समूह में न्यूनतम दस महिलाएं शामिल होती हैं, ऐसे 67 हजार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 6,700 महिला स्वयं सहायता समूह से जोड़ा जाएगा। इसके लिए ग्राम प्रधानों, सचिवों के माध्यम से महिलाओं को जागरूक किया जाएगा, ग्रामीण क्षेत्र में एनआरएलएम द्वारा जागरूकता शिविर भी लगाए जाएंगे। जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में कई महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा है।

बंगाल से घुसपैठियों का पलायन एक से दस साल तक जमे बांग्लादेशी नागरिक देश छोड़ने को मजबूर

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के स्वरूपनगर स्थित हाकिमपुर चेकपोस्ट बार्डर पर पिछले दो दिनों से सीमा की ओर बढ़ते चेहरों में घबराहट है। जेल नहीं जाने के डर से घुसपैठिए परिवार सहित बंगाल छोड़ रहे हैं। सीमा की ओर जाते बच्चों की आंखों में अनिश्चितता और महिलाओं के हाथों में जलदबाजी में बांधे गए कपड़ों के छोटे-छोटे बैग और प्लास्टिक की थैलियां दिखाई देती हैं। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद घुसपैठ और फर्जी दस्तावेजों के खिलाफ प्रस्तावित कार्रवाई की चर्चाओं ने उन परिवारों में भय पैदा कर दिया है, जो वर्षों से कोलकाता, बारासात, दमदम,



हावड़ा और आसपास के इलाकों में रह रहे थे। घुसपैठियों के लिए होल्डिंग सेंटर बनने के बाद से अवैध रूप से रहने वाले लोग आतंकित हैं। सूत्रों के मुताबिक घुसपैठिए पुष्टि होने के बाद उन्हें सीमा पार (पुश बैक) भेज दिया जा रहा है। इससे पहले एसआईआर और देश के अन्य

राज्यों में घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान ऐसी स्थिति दिखाई दी। दिलचस्प यह है कि इन चेहरों में सिर्फ डर नहीं, पछतावा भी दिखता है। कुछ लोग वर्षों से बंगाल में दैनिक कार्य का हिस्सा बन चुके थे। रिक्शा चलाने वाले, निर्माण मजदूर, धरलू सहायिका और छोटे कारखानों में काम करने

वाले इन लोगों ने शहरों के भीतर अपनी छोटी दुनिया बना ली थी। सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय लोगों के अनुसार, देर रात से लेकर सुबह तक छोटे-छोटे समूहों में लोग पहुंच रहे हैं। 28 वर्षीय नसीम मोल्ला ने बताया कि वह कोलकाता के एक चमड़ा कारखाने में काम करता था। पहले लगा कि सिर्फ कागज चेक होंगे, लेकिन अब फैक्ट्री मालिक भी कह रहा है कि कुछ दिन गायब हो जाओ। हम गरीब लोग हैं, जेल नहीं जाना चाहते। सीमा से लगे गांवों में रहने वाले लोगों का कहना है कि पिछले एक साल में यह दूसरा मौका है जब अचानक बड़ी संख्या में लोग सीमा की ओर लौटने दिखाई दे रहे हैं।

अपनी जान पर खेल गया दिल्ली पुलिस का हवलदार, आग में फंसे दंपती और 11 ब्लाइंड छत्रों समेत 13 लोगों को बचाया

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी जिले के बुराड़ी इलाके में लगी भीषण आग के बीच दिल्ली पुलिस के एक हवलदार ने 13 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी जिंदगी बचा ली थी। धुएँ और आग की लपटों से घिरी इमारत में फंसे दंपती को बचाने के साथ ही हवलदार ने पास के हॉस्टल में रह रहे 11 दुष्टिबाधित छत्रों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। पुलिस अधिकारियों ने हवलदार की बहादुरी की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया है। उपायुक्त राजा बाठिया के मुताबिक, घटना 17 मई की रात करीब दस बजे बुराड़ी थाना क्षेत्र के दरोगा मार्केट में हुई थी। आग तेजी से ऊपर की मंजिलों तक पहुंचने लगी और पूरा क्षेत्र धुएँ से भर गया। उसी दौरान बुराड़ी थाने में तैनात हवलदार अमर सिंह इलाके में गश्त कर रहे थे। सूचना मिलते ही वह तुरंत मौके पर पहुंचे। आग लगने वाली इमारत की दूसरी मंजिल पर रवि यादव और उनकी पत्नी सुप्रिया यादव फंसे हुए थे। आग और धुएँ के कारण सीढ़ियों का रास्ता पूरी तरह बंद हो चुका था। दोनों बालकनी से मदद के लिए आवाज लगा रहे थे। हालात की गंभीरता को देखते हुए हवलदार अमर सिंह ने सड़क से गुजर रहे एक ट्रक को रुकवाया। वह ट्रक की छत पर चढ़े और वहां से बालकनी तक पहुंचकर पहले महिला और फिर उसके पति को सुरक्षित नीचे उतारा। दोनों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने के दौरान अमर सिंह ने उन्हें अपने कंधे का सहारा दिया।

हॉस्टल से दुष्टिबाधित छत्रों को भी निकाला: इस बीच उन्हें पता चला कि आग वाली इमारत से सटी बिल्डिंग में दुष्टिबाधित छत्रों का एक हॉस्टल भी है, जहां 11 छत्र मौजूद हैं।

यूरोप की बड़ी रणनीतिक बैठक में पहुंचे जयशंकर साइप्रस में वैश्विक मुद्दों पर होगी अहम चर्चा

निकोसिया, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को साइप्रस पहुंचे, जहां वह यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की अहम अनौपचारिक बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक में यूरोप और दुनिया के सामने खड़ी बड़ी भू-राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा होने की उम्मीद है। ऐसे समय में यह बैठक हो रही है, जब पश्चिम एशिया में तनाव, ऊर्जा संकट और वैश्विक व्यापार को लेकर कई देशों की चिंता बढ़ी हुई है। भारत की मौजूदगी को भी इस बैठक में खास महत्व दिया जा रहा है।

जिमनिख बैठक इतनी अहम क्यों मानी जाती है: यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की यह अनौपचारिक बैठक 'जिमनिख' नाम से जानी जाती



है। इसमें सदस्य देशों के विदेश मंत्री और साझेदार देश वैश्विक हालात पर खुलकर चर्चा करते हैं। बैठक में सुरक्षा, रणनीतिक साझेदारी, आर्थिक चुनौतियां और अंतरराष्ट्रीय संकट जैसे मुद्दे शामिल रहते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि वह इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए साइप्रस पहुंचे हैं। उन्होंने

यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख और साइप्रस के विदेश मंत्री को निमंत्रण के लिए धन्यवाद भी दिया। इस बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा हो सकती है: विशेषज्ञों के मुताबिक, बैठक में पश्चिम एशिया संकट, ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और यूरोप की रणनीतिक चुनौतियों पर चर्चा हो सकती है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप पहले से ही आर्थिक और सुरक्षा दबाव झेल रहा है। वहीं होमुंज जलडमरूमध्य और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने वैश्विक बाजार की चिंता और बढ़ा दी है। ऐसे में भारत और यूरोपीय संघ के बीच सहयोग को भी अहम माना जा रहा है। भारत आज दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और कई वैश्विक मुद्दों पर उसकी भूमिका मजबूत हुई है। यूरोप भी भारत को रणनीतिक साझेदार के रूप में देख रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता जैसे मुद्दों पर भारत और यूरोपीय संघ के बीच सहयोग बढ़ सकता है। जयशंकर की मौजूदगी इसी दिशा में अहम मानी जा रही है।

ईरान के यूरेनियम भंडार पर ट्रंप का बड़ा बयान बोले- इसे रूस या चीन को सौंपना मंजूर नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इस बात से सहज नहीं हैं कि ईरान के उच्च स्तर पर समृद्ध यूरेनियम भंडार को रूस या चीन अपने कब्जे में लें। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा तेज है। रूस और चीन को ईरान का करीबी सहयोगी माना जाता है। किसी तीसरे देश को यूरेनियम सौंप सकता है ईरान: परमाणु मामलों के विशेषज्ञों का मानना था कि किसी संभावित समझौते के तहत ईरान अपने संबंधित यूरेनियम को किसी तीसरे देश को सौंप सकता है और इस भूमिका के लिए रूस या चीन

विकल्प हो सकते हैं। हालांकि ट्रंप ने साफ कर दिया कि वह इस व्यवस्था को लेकर सहज महसूस नहीं करते। अमेरिका को दें या वहीं नष्ट करें यूरेनियम- ट्रंप: अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्यू सोशल पर कहा था कि ईरान का यूरेनियम या तो अमेरिका को सौंपा जाएगा या फिर उसे वहीं नष्ट किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसियों की निगरानी में हो सकती है। बताया जा रहा है कि ईरान का यह यूरेनियम उन परमाणु स्थलों के नीचे दबा हो सकता है, जिन्हें पिछले साल अमेरिकी हवाई हमलों में निशाना बनाया गया था।

तेहरान का नया फरमान: इंटरनेट खुला लेकिन डिजिटल आजादी अब भी बंद युद्ध के बीच कैसे ईरान ने मीडिया पर कसा शिकंजा

तेहरान, एजेंसी। ईरान में अमेरिका और इराक के साथ जारी तनाव के बीच अब सूचना और इंटरनेट पर भी सख्ती बढ़ा दी गई है। ईरानी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू करते हुए साफ कर दिया है कि उनके फोटो, वीडियो और रिपोर्ट का इस्तेमाल इराकली मीडिया या विदेशों में चल रहे फारसी चैनल नहीं कर सकेंगे। दूसरी तरफ महीनों बाद इंटरनेट सेवाएं आंशिक रूप से बहाल तो हुई हैं, लेकिन आम लोगों को अब भी धीमी स्पीड, भारी सेंसरशिप और सोशल मीडिया प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है।



इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि युद्ध और राजनीतिक तनाव के बीच ईरान सूचना पर अपना नियंत्रण और मजबूत कर रहा है।

क्या है ईरान के नए मीडिया प्रतिबंध: ईरान के संस्कृति और इस्लामिक मार्गदर्शन मंत्रालय ने तेहरान में काम कर रहे कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों को नया निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ईरान से भेजी जाने वाली हर फोटो, वीडियो, रिपोर्ट और मीडिया सामग्री के साथ यह चेतावनी लिखना जरूरी होगा कि उसका इस्तेमाल इराकली मीडिया या ईरान के बाहर चलने वाले फारसी टीवी चैनल नहीं कर सकते। ईरान पहले से ही बीबीसी और वीओए फारसी, मनोटा टीवी और ईरान इंटरनेशनल जैसे चैनलों पर

सख्त रोक लगाए हुए है। सरकार का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और युद्ध की स्थिति को देखते हुए यह कदम जरूरी है। इंटरनेट बहाल हुआ, लेकिन क्या सच में सामान्य हुई स्थिति: ईरान में जनवरी से शुरू हुआ इंटरनेट प्रतिबंध दुनिया के सबसे लंबे राष्ट्रीय इंटरनेट शटडाउन में से एक माना जा रहा है। अब सरकार ने कुछ क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं बहाल की हैं, लेकिन स्थिति अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। कई लोगों ने शिकायत की कि इंटरनेट बेहद धीमा चल रहा है और यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे

प्लेटफॉर्म पर भारी पाबंदियां बनी हुई हैं। इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्थाओं के अनुसार ईरान की इंटरनेट क्षमता अभी भी पहले की तुलना में काफी कम है। डेटा ट्रैफिक भी सामान्य स्तर तक नहीं पहुंचा है। लोगों को डर है कि सरकार कभी भी दोबारा इंटरनेट बंद कर सकती है। आम लोगों और कारोबार पर कितना पड़ा असर: लंबे इंटरनेट शटडाउन ने ईरान की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर गहरा असर डाला है। ऑनलाइन काम करने वाले लाखों लोगों की कमाई लगभग बंद हो गई।

कर्नाटक खेत में आकाशीय बिजली गिरने से टेक इंजीनियर की मौत, आधुनिक खेती के लिए छोड़ी थी नौकरी

चेन्नई, एजेंसी। कर्नाटक के मैसूर जिले में आकाशीय बिजली ने मंगलवार और बुधवार को भारी तबाही मचाई। अलग-अलग घटनाओं में कोडगु के एक युवक समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया।

वहीं, बिजली गिरने से एक गाय की भी जान चली गई। इन घटनाओं के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, कोडगु निवासी होसोकलु रोशन बालकृष्ण की मंगलवार को मैसूर के पास येलावाला में बिजली गिरने से मौत हो गई। रोशन मडिकेरी के पास हेरावनद गांव के रहने वाले थे और स्वर्गीय होसोकलु बालकृष्ण के बेटे थे। वह पेशे से IT कर्मचारी थे, लेकिन हाल ही में उन्होंने नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद वह अपने एक सहकर्मी के साथ मिलकर खेती-बाड़ी से जुड़े कामों में जुटे हुए थे।

मैसूर में आकाशीय बिजली ने पचाई तबाही: बताया गया है कि दोनों आधुनिक कृषि उपकरणों को किसानों तक पहुंचाने और उनकी मार्केटिंग का काम कर रहे थे। रोशन अपनी पत्नी और बेटे के साथ येलावाला के पास अपनी जमीन देखने पहुंचे थे। इसी दौरान वह आम तोड़ने के लिए गए थे, तभी अचानक उन पर बिजली गिर गई। बिजली गिरते ही वह मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। घटना के समय उनके साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया, हालांकि उसे गंभीर चोटें नहीं आईं। हदसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। रोशन का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव हेरावनद में किया गया। अपने पीछे वह पत्नी और एक बेटे को छोड़ गए हैं। इसी तरह की एक अन्य घटना बुधवार को मैसूर में सामने आई, जहां बिजली गिरने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

संदेशखाली में सात साल बाद बड़ा एक्शन, तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या के मामले में 10 आरोपित गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में 2019 के लोकसभा चुनाव बाद हुई हिंसा में तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या मामले में सीबीआई ने 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में पूर्व टीएमसी नेता शेख शाहजहां का करीबी कादर मोल्ला भी शामिल है। सीबीआई अधिकारियों के अनुसार, लंबे समय से जुटाए गए सुबूतों, गवाहों के बयान और स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर यह गिरफ्तारी अभियान चलाया गया। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद आठ जून को संदेशखाली में हुई हिंसा में तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की गोली मारकर और धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। यह घटना झंडा हटाने को लेकर हुए विवाद के बाद घटी थी। शुरुआत में मामले की जांच सीआईडी कर रही थी, लेकिन बाद में जांच रिपोर्ट और चार्जशीट से शेख शाहजहां समेत 28 लोगों के नाम हटा दिए गए थे। इसके बाद मुक्तकों के स्वजन ने कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया और सीबीआई जांच की मांग की। कोर्ट के आदेश के बाद जांच सीबीआई को सौंप दी गई, सीबीआई ने जांच तेज करते हुए गिरफ्तारी की है।

ईद उल अजहा पर नोएडा में कड़ा पहरा, चप्पे चप्पे पर पुलिस फोर्स रही तैनात; तीन जोन में पैदल मार्च



नोएडा, एजेंसी। नोएडा में ईद-उल-अजहा पर बृहस्पतिवार को बम और डींग स्कॉड संग पुलिस ने तीनों जोन में पैदल मार्च किया। मस्जिदों के आसपास पुलिस बल तैनात रहा। पूरे जिले में पुलिस अलर्ट मोड पर है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था गौतमकुंदनार डॉ. राजीव नारायण मिश्र ने तीनों जोन नोएडा, सेन्ट्रल नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में सुबह से भ्रमण किया। स्थानीय नागरिकों, धर्मगुरुओं एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर लौहहार को आपसी भाईचारे, सोहार्द एवं शांति के साथ मनाने की अपील की। डीसीपी व एडीसीपी, एसीपी ने भी अपने-अपने क्षेत्र में पड़ने वाली मस्जिदों के आसपास निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। टीम ने निठारी मस्जिद, जामा मस्जिद, बाजारों व भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में फ्लैग मार्च एवं फूट पेट्रोलिंग भी की। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए। कार्यवाही हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

अफवाह न फैलाए, पुलिस को दें सूचना: पुलिस अधिकारियों ने आमजन को सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री साझा न करने, अफवाहों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। जिससे लौहहार के दौरान कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी एवं मजबूत बनी रहे।

भारत को पाकिस्तान और चीन से ही सबसे बड़ा खतरा, रिपोर्ट में बड़ा दावा

सिंगापुर, एजेंसी। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत की पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां आगे भी पाकिस्तान और चीन के इर्द-गिर्द केंद्रित रहेंगी। सिंगापुर में सप्ताहांत में अंतरराष्ट्रीय रक्षा संवाद आयोजित होने जा रहा है, उससे पहले एक रिपोर्ट जारी हुई है, जिसमें यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में किसी भी संभावित पारंपरिक युद्ध की प्रकृति स्थानीय ही रहेगी। लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटिजिक स्टडीज का 'एशिया-पैसिफिक रोजनल सिक्वोरिटी असेसमेंट' नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपने दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवादों के कारण बड़े पैमाने पर पारंपरिक सैन्य अभियानों के लिए सेना को तैयार कर रहा है। भारत और चीन की सीमाएं संवेदनशील बनी रहेंगी: रिपोर्ट के अनुसार, चीन के साथ भारत के सीमा क्षेत्रों में अपेक्षाकृत पारंपरिक प्रकृति के हैं और इनके भारत-पाक संघर्षों जैसी तीव्रता तक पहुंचने की संभावना कम है। इसके बावजूद भारत की चीन और पाकिस्तान दोनों के साथ सीमाएं सैन्य रूप से संवेदनशील बनी रहेंगी। हिंद महासागर क्षेत्र से बाहर भारत की व्यापक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सक्रिय सैन्य भूमिका निभाने की संभावना कम है। साथ ही भारत, ताइवान को लेकर संभावित अमेरिका-चीन संघर्ष से भी दूरी बनाए रखने की कोशिश करेगा। रिपोर्ट में भारत की स्थिति को 'न युद्ध, न शांति' वाली हाइब्रिड चुनौती बताया गया है, जिसमें चीन और पाकिस्तान दोनों शामिल हैं।

एसआईआर पर मुहर

संपादकीय

विपक्षी दलों को इस पर खासी आपत्ति थी कि एसआईआर के तहत लोगों की नागरिकता की परख की जा रही है, जबकि चुनाव आयोग को ऐसा करने का अधिकार ही नहीं।

अंततः सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की चुनाव आयोग की प्रक्रिया को न केवल वैध करार दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के लिए ऐसा किया जाना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश

उन विपक्षी नेताओं के लिए एक बड़ा झटका है, जो यह दुष्प्रचार करने में लगे हुए थे कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर एसआईआर के नाम पर मनमानी करने में लगा हुआ है। इस आदेश ने यह स्पष्ट किया कि झूठ के पैर नहीं होते और दुष्प्रचार के जरिये किसी वैध प्रक्रिया को रोका नहीं जा सकता। इस पर हैरानी नहीं कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से असहमत लोग निराशा व्यक्त कर रहे हैं।

यह उनकी कुंठ के अतिरिक्त और कुछ

नहीं, क्योंकि निष्पक्ष चुनावों की पहली शर्त ही यह है कि वैध मतदाता ही नाम पर मनमानी करने में लगा हुआ है। इस वैध मतदाता है या नहीं, इसके निर्धारण के लिए आवश्यक छानबीन करना चुनाव आयोग का अधिकार है। यह विचार है कि कुछ विपक्षी दल चुनाव आयोग के इसी अधिकार को चुनौती देने के लिए ऐसे मनगढ़ंत आरोप लगा रहे थे कि आयोग

एसआईआर के बहाने उनके समर्थकों के वोट काटने का काम कर रहा है। ऐसे आरोप लगाने वालों ने यह स्पष्ट करने की जहमत कभी नहीं उठाई कि आखिर उन्हें कैसे पता चला कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, वे उनके वोटर हैं?

बिहार में एसआईआर के दौरान जब करीब

65 लाख ऐसे नाम मतदाता सूची से हटाए गए, जो अन्यत्र बस गए थे या फिर जिनकी मृत्यु हो गई थी अथवा जिनके नाम दो जगह दर्ज थे तो यह शोर मचाया गया कि वैध मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किया जा रहा है, पर यह शोर मचाने वाले ऐसे 65 लोगों को भी नहीं जुटा सके। बिहार विधानसभा चुनावों में एसआईआर के कोई मुद्दा न बन पाने के बाद विपक्षी दलों और खासकर वोट चोरी का जुमला उछाल रही कांग्रेस को यह समझ आ

जाना चाहिए था कि वह वही हुई लड़ाई लड़ रही है, लेकिन न उसने दीवार पर लिखी इबारत पढ़ी और न ही अन्य विपक्षी दलों ने। विपक्षी दलों को इस पर खासी आपत्ति थी कि एसआईआर के तहत लोगों की नागरिकता की परख की जा रही है, जबकि चुनाव आयोग को ऐसा करने का अधिकार ही नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि चुनाव आयोग किसी का नाम मतदाता सूची में शामिल करने के क्रम में उसकी नागरिकता की जांच कर सकता है।

तकनीक के युग में मजदूर अब भी मौत के मुहाने पर: व्यवस्था की असफलता

सुनील कुमार महला

मध्य प्रदेश और ओडिशा में हुए दो दर्दनाक हादसों ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि हमारे देश में आज भी गरीब और मजदूर वर्ग की सुरक्षा को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता। हाल ही में मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के बीहरपुवा गांव में कुआं खोदते समय मिट्टी धंसने से पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं ओडिशा के कालाहांडी में सेप्टिक टैंक की जहरीली गैस के कारण छह लोगों ने अपनी जान गंवा दी। कहना गलत नहीं होगा कि ये दोनों हादसे केवल दुर्घटनाएं नहीं, बल्कि हमारी व्यवस्था की लापरवाही और अस्वेदशैलीता का परिणाम हैं। हम सब यह जानते हैं कि आज विज्ञान और तकनीक का दौर है। बड़े-बड़े निर्माण कार्य और खतरनाक सफाई के काम मशीनों से किए जा सकते हैं। इसके बावजूद आज भी गरीब मजदूर अपनी जान जोखिम में डालकर ऐसे काम करने को मजबूर हैं। यदि कूप की खुदाई और सेप्टिक टैंक की सफाई पूरी सुरक्षा व्यवस्था और मशीनों के माध्यम से की जाती, तो शायद इतनी जानें नहीं जातीं।

बहरहाल, यहां यह कहना भी गलत नहीं होगा कि यह घटना देश में पेयजल संकट की गंभीर स्थिति को भी सामने लाती है। आज भी कई गांवों और शहरों में लोगों को साफ पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। कई स्थानों पर भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और हैंडपंप सूख चुके हैं। ऐसे में, मजबूरी में लोगों को गहरे कूप और तालाबों पर निर्भर रहना पड़ता है। सोशल मीडिया पर अक्सर ऐसी तस्वीरें दिखाई देती हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चियां अपनी जान जोखिम में डालकर गहरे कुंडों में उतरकर पानी भरती नजर आती हैं। अब यहां सवाल यह उठता है कि क्या यह स्थिति आधुनिक भारत के लिए चिंता का विषय नहीं है ?

आधुनिक दौर में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई का काम भी आज तक पूरी तरह सुरक्षित नहीं बन पाया है। सरकार द्वारा संसद में दिए गए आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में सैकड़ों सफाईकर्मियों की मौत जहरीली गैस के कारण हो चुकी है। वास्तव में, यह साफ दर्शाता है कि सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम अब भी नहीं किए गए हैं। निस्संदेह, सरकार स्मार्ट सिटी और आधुनिक विकास योजनाओं पर काम कर रही है, लेकिन किसी भी सरकार का सबसे पहला कर्तव्य अपने नागरिकों को भोजन, साफ पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना होता है। यदि लोग सुरक्षित नहीं हैं, तो विकास अधूरा ही कहा जा सकता है। सबसे दुखद बात तो यह है कि ऐसी घटनाओं के बाद कुछ दिनों तक चर्चा होती है, मुआवजे की घोषणा होती है और फिर सब कुछ भुला दिया जाता है। जिम्मेदार अधिकारियों पर अक्सर कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। वास्तव में, यदि लापरवाही करने वालों को समय पर सख्त से सख्त सजा मिले और सुरक्षा नियमों का ईमानदारी से पालन हो, तभी ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

अंत में यही कहना चाहूंगा कि आज जरूरत इस बात की है कि जल संरक्षण और सफाई से जुड़े सभी कार्य पूरी संवेदनशीलता और आधुनिक तकनीक के साथ किए जाएं। सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई पूरी तरह मशीनी बनाई जाए तथा मजदूरों को उचित प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं तभी हम ऐसा सुरक्षित और संवेदनशील समाज बना पाएंगे, जहां अमीर-गरीब का भेद किए बिना हर इंसान की जान को समान महत्व दिया जाए और किसी को भी लापरवाही के कारण अपनी जान न गंवानी पड़े।

डॉ. प्रीलास राइट्ट, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया के सबसे अधिक तापमान वाले शहरों में सतर शहर भारत के वरियता बनाए हैं। आधे से ज्यादा हिन्दुस्तान तप रहा है उर प्रदेश के बांदा और महाराष्ट्र के वर्धा दोनों ही शहरों में भीषण गर्मी का रिकार्ड बनाया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, यूपी के बांदा में अधिकतम तापमान 48.2एतक दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक है, जबकि प्रयागराज वाराणसी मिर्जापुर भी आग उगल रहे हैं उधर महाराष्ट्र के वर्धा में भी पारा 47.1ए के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।बांदा और वर्धा क्षेत्र भारत और एशिया के सबसे गर्म स्थानों में शामिल हो गया है।वर्धा (महाराष्ट्र) विदर्भ क्षेत्र में स्थित वर्धा शहर भी इस भीषण लू की चपेट में है, जहां तापमान 47.1ए तक पहुंच गया है इससे पहले राजनांदगांव का तापमान रिकार्ड बना चुका है। तेलंगाना के हैदराबाद करीमनगर खम्माम की दिनों से हीटवेव में जल रहे हैं मध्यप्रदेश के खजुराहो नौगांव टीकमगढ़ छतरपुर पन्ना सतना सभी का तापमान 45 के पार जा रहा है बिहार के 13 और हरियाणा के 11 जिले भी 42-45 तापमान में झुलस रहे हैं। देश भर में मौजूदा हीटवेव में उत्तर प्रदेश में वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी और हीटवेव (लू) के कारण गैर आधिकारिक आंकड़ा 150 लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि, हाल ही में राज्य में आए भीषण आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली गिरने जैसी मौसम की चरम घटनाओं के कारण 111 लोगों की जान जाने की पुष्टि हुई है।हीटवेव के प्रकोप के कारण आंध्र प्रदेश में 21 और तेलंगाना में 16 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है देश में करीब तीन सौ लोगों की जान लू भीषण गर्मी ले चुकी है हालांकि अधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है लगता है देर-सवेर देश के सभी शहर कस्बे ऐसा ही रिकार्ड बनाएंगे मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, रोगिस्तानी और पश्चिमोत्तर इलाकों से आ रही गर्म हवाओं (लू) और आसमान साफ होने के कारण धूप की प्रचंडता से इन क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश इस समय ऐसी भीषण गर्मी से गुजर रहा है, जिसने सामान्य जनजीवन को हिला दिया है। जब दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी शहर भारत के ही दर्ज हों, तो यह केवल चौकाने वाली खबर नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का विषय है। ओडिशा के बलांगीर में 45 डिग्री



सेल्सियस तापमान, महाराष्ट्र राष्ट्र के चंद्रपुर और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस, तथा उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तापमान यह बताने के लिए काफी है कि गर्मी अत्यंत खतरनाक है। सबसे अधिक खतरा नवजात बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाओं, कृमिकी बंमार लोगों, कामगारों, किसानों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य से सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। जब किसी देश के कई शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शामिल हो जाते हैं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि समस्या केवल तापमान की नहीं, बल्कि तैयारी, जागरूकता और व्यवस्था की भी है। भारत में गर्मी कोई नई बात नहीं है। हर साल अप्रैल, मई और जून में लू चलती है, खेत सूखते हैं, सड़कें तपती हैं और लोग खंभ और लू को लंबे समय तक केवल मौसम का स्वरूप ज्यादा टीखा, व्यापक और खतरनाक दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी और लू को लंबे समय तक केवल मौसम की परेशानी समझा जाता रहा है, लेकिन आज यह सोच बदलने की जरूरत है। लू शरीर पर सीधा हमला करती रती है। लू चकर आना, कमजोरी, तेज प्यास,

घबराहट, सिरदर्द, पेट दर्द, बेहोशी और शरीर का तापमान बढ़ना इसके शुरुआती संकेत हो सकते हैं। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो यही स्थिति हीट स्ट्रोक में बदल सकती है, जो जानलेवा साबित हो सकती है। सबसे अधिक खतरा नवजात बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाओं, कृमिकी बंमार लोगों, कामगारों, किसानों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य से सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। जब किसी देश के कई शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शामिल हो जाते हैं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि समस्या केवल तापमान की नहीं, बल्कि तैयारी, जागरूकता और व्यवस्था की भी है। भारत में गर्मी कोई नई बात नहीं है। हर साल अप्रैल, मई और जून में लू चलती है, खेत सूखते हैं, सड़कें तपती हैं और लोग खंभ और लू को लंबे समय तक केवल मौसम का स्वरूप ज्यादा टीखा, व्यापक और खतरनाक दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी और लू को लंबे समय तक केवल मौसम की परेशानी समझा जाता रहा है, लेकिन आज यह सोच बदलने की जरूरत है। लू शरीर पर सीधा हमला करती रती है। लू चकर आना, कमजोरी, तेज प्यास,

श्रमिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और भौंडभाड वाले स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी छत्र, पानी के टैंकर और प्राथमिक उपचार केंद्र बनाए जा सकते हैं। स्कूलों, खेल आयोजनों और सामूहिक कार्यक्रमों के समय में बदलाव जरूरी है। इस भीषण गर्मी को केवल मौसमी घटना मानकर भूल जाना बड़ी भूल होगी। लगातार बढ़ता तापमान, शहरी इलाकों में कंक्रीट का फैलाव, पेड़ों की कटाई, जल स्रोतों का सिकुड़ना और प्रदूषण ये सभी मिलकर गर्मी को और घातक बना रहे हैं। शहरों में गर्मी गांवों की तुलना में अधिक महसूस होती है, क्योंकि वहां कंक्रीट, डामर और बंद स्थान तापमान को और बढ़ा देते हैं। इसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। यदि शहरों में हरियाली नहीं बढ़ाई गई, जल संरक्षण नहीं किया गया और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आने वाले वर्षों में गर्मी और भी भयावह रूप ले सकती है। हमें सड़क को समझना होगा। विकास का अर्थ केवल इमारतें और प्लाईओवर नहीं है, बल्कि रहने योग्य शहर भी है। देश में 25 मई से दो जून तक नौतपा शुरू हो गया है। परंपरागत रूप से नौतपा को साल के सबसे गर्म दिनों में माना जाता है। इस दौरान सूर्य की तपिश और लू का असर बढ़ जाता है। इस बार नौतपा से पहले ही कई राज्यों में गर्मी असहनीय हो चुकी है। ऐसे में आने वाले दिनों के लिए सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। नौतपा को केवल धार्मिक या परंपरागत दृष्टि से देखने के बजाय स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन के नजरिए से भी समझना चाहिए। प्रशासन को इस अवधि में विशेष निगरानी रखनी चाहिए। अस्पतालों को तैयारी, पानी की व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। बढ़ती गर्मी के कारण बिजली उपकरणों पर दबाव बढ़ता है, जिससे अस्पतालों और सार्वजनिक भवनों में आग का खतरा भी बढ़ सकता है। यहां आपकी बता दें कि हाल ही में लीड्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण शोध किया है, जो जलवायु परिवर्तन के बारे में हमारी समझ को और गहरा करता है। अर्थ पयुकर नामक पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में बताया गया है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे पर्माफ्रॉस्ट (जमी हुई मिट्टी) पिघल रही है। यह पिघलना केवल एक

सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इससे वातावरण में खतरनाक गैसों का उत्सर्जन तेजी से बढ़ सकता है। पर्माफ्रॉस्ट वह मिट्टी होती है जो कई वर्षों तक जमी रहती है। यह मुख्य रूप से आर्कटिक क्षेत्रों में पाई जाती है। इस मिट्टी के अंदर बहुत बड़ी मात्रा में कार्बन और अन्य गैसों फंसी रहती है। जब यह मिट्टी जमी रहती है, तब ये गैसों बाहर नहीं निकल पातीं। इसलिए पर्माफ्रॉस्ट को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच माना जाता है। गर्मी से बचाव के उपाय कठिन नहीं हैं, लेकिन उन्हें गंभीरता से अपनाना जरूरी है। लोगों को बार-बार पानी पीना चाहिए, भले ही प्यास न लगी हो। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने चाहिए। सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकना चाहिए। खाली पेट धूप में बाहर नहीं निकलना चाहिए। शराब, बहुत अधिक चाय-कॉफी और अत्यधिक तले-धुने भोजन से बचना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय पानी की बोतल जरूर रखनी अनिवार्य है। विकास का अर्थ केवल तेज कमजोरी महसूस हो, शरीर गर्म हो जाए या बेहोशी जैसी स्थिति दिखे तो उसे तुरंत छॉच या ठंडी जगह पर ले जाना चाहिए। कपड़ों को डीला करना चाहिए, शरीर पर ठंडा पानी डालना चाहिए और तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। भीषण गर्मी अनियोजित विस्तार और पर्यावरण की मूल्य का प्रश्न बनती जा रही है। सरकार, प्रशासन, समाज और नागरिक सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। मौसम विभाग की चेतावनी को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। हर परिवार को अपने चर्चों और बुजुर्गों, विशेष ध्यान चाहिए। हर मोहल्ले, पंचायत और खांडा स्टार पर जागरूकता अभियान चलना चाहिए। गर्मी की यह गरम हमें एक बड़ा संदेश दे रही है। प्रकृति के साथ खिलवाड़, शहरों का अनियोजित विस्तार और पर्यावरण की उपेक्षा अब सीधे हमारे स्वास्थ्य पर असर डाल रही है। आज जरूरत है कि हम केवल गर्मी से बचने की तैयारी न करें, बल्कि भविष्य को ठंडा और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी गंभीर कदम उठाएं, क्योंकि यदि आज हमने चेतावनी नहीं समझी, तो आने वाला समय और भी अधिक तपिश लेकर आएगा।इसलिए सिर्फ जागरूकता और बचाव ही जीवन रक्षक हैं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। पिछले 38 वर्ष से बचने और पत्रकारिता से जुड़े हैं।)

अपनी जिंदगी तक दांव पर लगा देते हैं बाल श्रमिक

मुकेश तिवारी

बाल श्रमिक किसी भी मुल्क के लिए अभिशाप कहे जा सकते हैं, क्योंकि इससे न केवल बाल श्रमिकों का मानसिक, शारीरिक विकास बाधित होता है, बल्कि उस मुल्क की समूची प्रगति भी एकांगी हो जाती है। सिर्फ कानूनी प्रावधानों से इस सामाजिक समस्या से मुख नहीं मोड़ा जा सकता, क्योंकि यह अपने आप में कोई पृथक मसला नहीं, अन्य समस्याओं से उत्पन्न हुई समस्या है।

उन बाल श्रमिकों के हिस्से में सूरज की रोशनी नहीं है। उनके दिन भी रातों की तरह स्याह है। वे बंद जगह में 15-16 घंटे काम करते हैं और फिर उन्हीं अधेरी कोठरियों में सो जाते हैं। खाने को उन्हें सिर्फ सूखी रोटी और वासी साग मिलता है। पेड़, पौधे, तितलियों से भी उन्हें कोई वास्ता नहीं है। उनका वास्ता तो उस मालिक से जिसके जहाँ वे काम करते हैं। राक्षसों की तरह क्रूर मालिक जो इन्हें मारता पीटता है और सिगरेट तक से दाग देता है। बाल श्रमिकों के दिलों दिमाग पर मालिक का खोफ हमेशा बना रहता है। जिस उम्र में बच्चे किस्से कहानियाँ सुनते हैं, बाल श्रमिकों को मालिक की गालियाँ सुनने पड़ती हैं। इनकी सूनी आंखें और सहमं चेहरे देखकर ही आभास हो जाता है कि इनका जीवन कितना कठोर है। इनके हिस्से में स्कूल, स्लेट, कलम, किताबें, लाडलुवार, खेलकूद कुछ नहीं है, इनका जीवन तो निरंतर काम, मालिक की गालियाँ और पिटाई खाना ही है। 5-8 साल की उम्र से लेकर 14-15 साल तक की उम्र के बच्चे निर्धन होने का खामियाजा भुगत रहे हैं। इन्हें दलाल दूदराज के गावों से सज्जबाग दिखाकर

कारखानों तक ले आते हैं। कई जगह माता पिता द्वारा लिया कर्जा चुकाने के लिए बच्चे श्रमिक बनते हैं। बच्चे अपरहण करके भी लिये जाते हैं। बच्चों के काम करे बिना निर्धन परिवारों की जीविका नहीं चलती।

5 साल के होते ही बच्चे पैसा कमाने के घर से बाहर निकल पड़ते हैं। क्योंकि गाँव में इनके लिए रोजगार उपलब्ध नहीं है, घरेलू और कुटीर उद्योग बंद हो गए हैं। कमोबेश ऐसी स्थिति में बच्चों के सामने अमानवीय स्थिति में काम करने के अतिरिक्त कोई रास्ता ही नहीं शेष रह जाता। गाँव से हर साल हजारों बेटेबेटियाँ बच्चे काम की तलाश में निकलते हैं। आजादी के पश्चात हमने जिस तरह की विकास नीति अपनाई है उसने गाँव के आर्थिक समाजिक ढांचे को तहस नहस करके रख दिया है। बड़ी बड़ी परियोजनाओं के नाम पर काफी बड़ी संख्या में लोग विस्थापित किए गए। इनमें से काफी लोग ऐसे हैं जिन्हें न तो मुआवजा मिला, न ही जमीन। परिवार के परिवार मजदूरी करने पर मजबूर हो गए। जहाँ पर्यावरण का अधिक विनाश हुआ है, वहाँ बाल श्रमिकों की संख्या भी बढ़ी है। दूसरी तरफ जिन क्षेत्रों में पर्यावरण विनाश कम हुआ है वहाँ बाल श्रमिक भी कम हैं। उत्तर प्रदेश में बाल

श्रमिक कुल श्रम शक्ति के पांच प्रतिशत से भी कम है। लेकिन टिहरी में यह आंकड़े 10--10 प्रतिशत है। तमिलनाडु के उत्तरी अरकाट क्षेत्र का भी यही हाल है। अम्बेडकर जिले में कुल साल पहले कुल श्रम शक्ति में 10 प्रतिशत श्रमिक थे, भदोही मिजापुर के कालीन उद्योग में पलामू के बाल श्रमिक सबसे ज्यादा हैं। पलामू और मध्य प्रदेश के सरगुजा में जंगल और जमीन का काफी विनाश हुआ है। इससे पारम्परिक रोजगार नष्ट हो गए और परिवारों को काम की तलाश में गाँव से बाहर निकलना पड़ा। राजस्थान के सिरोंही जिले में भी स्थिति काफी गंभीर है। यहाँ भी वन विनाश से बच्चे पलायन को विवश हुए हैं। यहाँ की कुल श्रम शक्ति में बाल श्रमिक 6.17 प्रतिशत है, जो व्यापक वन विनाश से 9.5 प्रतिशत हो गए हैं। कमोबेश यही स्थिति बनारसकांड (गुजरात) यवतमाल (महाराष्ट्र) गुजाम (उड़ीसा) तथा कुडप्पा (आंध्रप्रदेश) आदि की भी है। हालांकि बाल श्रमिकों की संख्या का कोई प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। शासकीय हिसाब से हमारे मुल्क में तकरीबन 1 करोड़ 90 लाख 75 हजार बाल श्रमिक हैं। लेकिन गैर सरकारी सूत्र यह संख्या 4 से 10 करोड़ के बीच होने

का अनुमान लगाते हैं। राजधानी दिल्ली का श्रमायुक्त कार्यालय दिल्ली में 90 हजार बाल श्रमिक होने की बात कहता है। मगर दिल्ली में तकरीबन 4 लाख से ज्यादा बाल श्रमिक होने का अनुमान है। इनमें से दो तिहाई बच्चे विस्थापित परिवारों से आज है। ये बाल श्रमिक कई तरह के कामों में खपते हैं। इन्हें चाय की दुकानों, ढाबों, स्कूटर व कार मरम्मत की दुकानों, निर्माण कार्यों में मजदूरी करते देखा जा सकता है। इनकी बड़ी संख्या घरेलू नौकरों के रूप में भी महानगरों में खप जाती है। कई बच्चे रेल गाडियों, बसों में गा बजाकर अपनी जीविका चलाते हैं, उनमें से कई वृट् पुलिस, कचरा बीनने अखबार बेचने या कारों के शीशे साफ करने में जुटे रहते हैं। कुछेक चलाते तो भीख मांग कर अपना और अपने परिवार का भरणपोषण करते हैं। बाल श्रमिक काफी बड़ी संख्या दियाराबाद, आतिशबाजी, रल पालिश, बीड़ी, कांच, हस्त शिल्प पावर लूम, नारियल रेशा, सिल्क बुनाई कढ़ाई, स्लेट पेपिल,बाल वेर्यावृत्ति ,पत्थर खुदाई, पौधरोपण और उनकी देखभाल में लगे हुए हैं। सबसे अधिक बाल श्रमिक उत्तर प्रदेश में हैं। इसके पश्चात आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, जम्मू, कश्मीर, कनाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा,

राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी बाल श्रमिक अधिक संख्या में हैं। इनमें से अधिकांश बाल श्रमिक से पास रहने को बेर नहीं है। वे काम के दौरान बाल श्रमिकोंफुटपाथ, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर सोते हैं। बाल श्रमिक जहाँ काम करते हैं रात होने पर वही सो जाते हैं। फुटपाथ, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर बाल श्रमिकों को पुलिस व स्थानीय दादा लोगों के अत्याचार भी सहने पड़ते हैं। बाल श्रमिकों की एक अन्य श्रेणी भी है, जो ज्यादा खतरनाक है। जरूरतमद बच्चे कुछ ऐसे उद्योग में भी काम करने को मजबूर हैं, जहाँ इन्हें बीमारी और मौत का सामना करना पड़ता है। ऐसे खतरनाक उद्योग में काम करने वाले बाल श्रमिकों की संख्या 40 लाख के आसपास है। काम के दौरान बाल श्रमिक तमाम तरह की बीमारियों की गिरफ्त में आ जाते हैं। लगातार घंटों काम करते रहने से कई तरह की शारीरिक मानसिक समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है। समय पर पर्याप्त भोजन न मिलने से वे कुपोषण तक के शिकार हो जाते हैं। बाल श्रमिक कैसे अपनी जिंदगी दांव पर लगा कर काम करते हैं, इसके लिए इन उद्योग नजर डालना काफी होगा, फिरोजबाद के चूड़ी उद्योग में बाल श्रमिक आठ वर्ष

मीटर के उबलते कमरे में दहकती भट्टियों के सामने बैठकर काम करते हैं। ये चूड़ियों का गर्म सिरा नगे हाथों से जोड़कर चूड़ी बनाते हैं। स्लेट पेसिल उद्योग मंदसौर में स्लेट पत्थरों के टूटने से निकलकर उठने वाली धूल इनके फेफड़ों में भर जाती है। और वे सिलिकोसिस जैसी जानलेवा बीमारी का शिकार हो जाते हैं। आतिशबाजी और दियाराबाद उद्योग में काम करने वाले बाल श्रमिक के स्वास्थ्य पर भी काफी बुराअसर पड़ता है। दूसरे उद्योग की भी यही स्थिति है कालीन बनेने के काम में लगे बाल श्रमिक को सांस लेने में परेशानी, शरीर दर्द, जोड़ों में दर्द, नजर कमजोर होने जैसी समस्या का सामना करना पड़ता है। हालांकि कारखानों में बाल श्रमिक से काम कराने का कानून रोक लगी हुई है, यह कानूनी रोक सिर्फ कागजों तक ही सिमित है। गौर तलब बात है कि श्रम एवं कल्याण संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने अपने अध्ययन में पाया कि केन्द्र या राज्य सरकार के पास बाल श्रम से संबंधित प्रामाणिक आंकड़े तक नहीं हैं। प्रदेश सरकार ने बाल श्रम कानून को ठीक से लागू नहीं किया है। प्रदेश सरकार इन्ही खमियों का फायदा उठाती है और केन्द्र सरकार पर उन पर म दोष महती रहती है।

एमपी लॉकर ऐप: नागरिक सेवाओं का सुगम माध्यम

मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा नागरिक सेवाओं के लोक-कल्याणकारी एवं डिजिटल रूपांतरण की दिशा में एक युगांतरकारी नवाचार करते हुए एमपी लॉकर ऐप को राज्य स्तरीय डिजिटल दस्तावेज प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित किया गया है। यह प्रयास 'डिजिटल गवर्नेंस' एवं 'पेपरलेस एडमिनिस्ट्रेशन' के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार की एक उत्कृष्ट नीति और अभूतपूर्व उपलब्धि बनकर उभरा है। इससे प्रदेश के नागरिकों को अपने महत्वपूर्ण शासकीय अभिलेखों व प्रमाण-पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए डिजिटल कवच प्राप्त हुआ है। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

दस्तावेजों का सुरक्षित संचयन एवं सर्वसुलभ उपलब्धता: एमपी लॉकर ऐप से राज्य के नागरिक अपने महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेजों- जैसे विभिन्न प्रमाण-पत्र, अनुज्ञप्ति (लाइसेंस), अनापत्ति प्रमाण-पत्र कर रसीद एवं अन्य विधिक प्रलेखों को कभी भी और कहीं से भी सुरक्षित रूप से प्राप्त, संचयित एवं साझा कर सकते हैं। वर्तमान में इस अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म पर दृष्टक, दृष्टक एवं भोपाल नगर निगम से संबंधित 22 से अधिक नागरिक केंद्रित सेवाएँ सुगमता से उपलब्ध हैं। इनमें मुख्य रूप से संपत्ति कर रसीद, जल कर रसीद, व्यापार अनुज्ञप्ति (ट्रेड लाइसेंस), अनि सुरक्षा प्रमाण-पत्र, विवाह प्रमाण-पत्र, भवन अनुज्ञा (बिल्डिंग परमिशन) तथा संपत्ति नामांतरण जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण सेवाएँ समाहित हैं।

नवाचर के मुख्य आकर्षण: एआई क्षमताएँ और 'वैधता समाप्ति चेतावनी': एमपी लॉकर ऐप की विशेषता इसका कृत्रिम बुद्धिमत्ता से सुसज्जित स्वरूप है, जो नागरिकों को निम्नलिखित विशिष्ट सुविधाएँ प्रदान करता है: स्वचालित दस्तावेज अधिज्ञान नागरिकों को अब अपने दस्तावेजों को खोजने के लिए किसी मैनुअल अन्वेषण या जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता। यह ऐप पंजीकृत मोबाइल नंबर से संबद्ध समस्त शासकीय दस्तावेजों की स्वतः पहचान कर उन्हें तत्काल स्क्रीन पर प्रदर्शित कर देता है। वैधता समाप्ति पूर्व सूचना: नागरिक हितों को सर्वोपरि रखते हुए इसमें रिमाइंडर सिस्टम जोड़ा गया है। यह प्रणाली किसी भी दस्तावेज या लाइसेंस की वैधता समाप्त होने से पूर्व ही नागरिक को स्वतः सूचित कर सचेत कर देती है, जिससे समय रहते उनका नवीनीकरण सुनिश्चित हो सके और नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

समाहों का कार्य अब क्षणों में: समय और श्रम की बचत: एमपी लॉकर ऐप के क्रिया-न्वयन से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में दक्षता आई है। नागरिकों की शासकीय कार्यालयों तक होने वाली 70 से 80 प्रतिशत भौतिक यात्राओं में कमी दर्ज की गई है, जिससे उनके धन और श्रम दोनों की महती बचत हो रही है। दस्तावेजों को प्राप्त करने की अवधि दिनों से घटकर क्षणों में सिमट गई है।

साइबर तहसील 2.0 से नामांतरण

प्रक्रिया हुई डिजिटल, पारदर्शी और सरल

मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन, प्रशासनिक पारदर्शिता और नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य नागरिकों को सरकारी सेवाएँ सरल, सुगम और समग्रबद्ध रूप से उपलब्ध बनाना है। इसी दिशा में प्राथम की गई 'साइबर तहसील 2.0' पहल राजस्व प्रणाली में ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण परिवर्तन का माध्यम बनी है। भूमि नामांतरण प्रक्रिया को डिजिटल और केंद्रीकृत बनाकर इस व्यवस्था ने नागरिक सुविधाओं को अधिक सहज और प्रभावी बनाया है और ईज ऑफ लिविंग को मजबूत किया है।

डिजिटल व्यवस्था से त्वरित हुआ नामांतरण निराकरण: 'साइबर तहसील 2.0' व्यवस्था से अब तक प्रदेश में 5.60 लाख से अधिक ऑनलाइन नामांतरण प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है। पहले जहाँ नामांतरण की प्रक्रिया में लगभग 70 दिन का समय लगता था, वहीं अब अधिकांश प्रकरण मात्र 20 से 25 दिनों में पूरे हो रहे हैं। इससे नागरिकों के समय, श्रम और धन की बचत सुनिश्चित हुई है।

'साइबर तहसील 1.0' से '2.0' तक का सफल विस्तार: राज्य सरकार ने साइबर तहसील व्यवस्था की शुरुआत 'साइबर तहसील 1.0' के रूप में की थी। इसके अंतर्गत प्रारंभिक चरण में पूर्ण खसरा से संबंधित नामांतरण प्रकरणों को शामिल किया गया था। रजिस्ट्री के बाद पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित होती थी और मैनुअल हस्तक्षेप को न्यूनतम रखा गया था। इस व्यवस्था की सफलता को देखते हुए सरकार ने इसका दायरा बढ़ाते हुए 'साइबर तहसील 2.0' लागू की। इसमें अब आंशिक खसरा, अर्थात् भूमि के किसी हिस्से की बिक्री से संबंधित नामांतरण प्रकरणों को भी डिजिटल प्रणाली में शामिल किया गया है।

आंशिक खसरा प्रकरणों का समाधान हुआ सरल: आंशिक खसरा से जुड़े मामले तकनीकी रूप से अधिक जटिल माने जाते हैं, क्योंकि इनमें भूमि के हिस्से का सीमांकन, रिकॉर्ड संशोधन और संबंधित जानकारी का सटीक अद्यतन आवश्यक होता है। 'साइबर तहसील 2.0' ने इस चुनौती का समाधान डिजिटल तकनीक से किया है। इससे राजस्व रिकॉर्ड को अद्यतन करने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनी है। साथ ही भूमि संबंधी विवादों की संभावनाओं में भी कमी आई है।

उपाय ऐप के जरिए विद्युत संबंधी हर शिकायत का समाधान

मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा जारी उपाय ऐप के जरिए विद्युत संबंधी अनेक तरह की शिकायतों का समाधान किया जा रहा है। कंपनी ने कहा है कि आंधी, तूफान एवं अन्य कारणों से होने वाले विद्युत व्यवधान के निराकरण के लिए उपभोक्ता मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय ऐप को अपने मोबाइल में डाउनलोड करें और अपनी शिकायत का त्वरित समाधान कराएँ। कंपनी ने बताया है कि बिजली उपभोक्ता गूगल प्ले स्टोर से इस ऐप को नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। गौरतलब है कि उपभोक्ता मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय ऐप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करने के साथ ही शिकायत की स्थिति भी जान सकते हैं। बिजली कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं के लिए उपाय ऐप के माध्यम से कई फायदे हो सकते हैं, जैसे उपाय ऐप के रजिस्टर कन्पैट ऑफ़लाइन की सहायता से विद्युत व्यवधान या बिल संबंधी शिकायत दर्ज कर शिकायत क्रमांक प्राप्त कर सकते हैं।

शासकीय आईटीआई में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन 30 जून तक

मीडिया ऑडिटर, रायसेन (निप्र)। मध्यप्रदेश की समस्त शासकीय आईटीआई में संचालित एनसीसीटी/एससीसीटी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। यह प्रक्रिया कोशल विकास विभाग के पोर्टल 222.dsd.mp.gov.in पर होगी। प्रवेश हेतु पंजीयन 20 जून तक किए जा सकते हैं। आवेदक इच्छित संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम का चयन 01 से 30 जून तक कर सकते हैं। प्रवेश से संबंधित समस्त जानकारी डीएसडी पोर्टल पर उपलब्ध है। प्रवेश हेतु निर्धारित योग्यता कक्षा 8वीं एवं कक्षा 10वीं उत्तीर्ण है। आवेदक का चयन मॉरिट के आधार पर किया जाएगा। अभ्यर्थी आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार एवं स्वरोजगार के बंधन अवसर प्राप्त कर सकते हैं। शासकीय आईटीआई रायसेन में व्यवसाय विक्टर में 20 सीट, विद्युतकार में 20 सीट, झूपटसमेन सिविल में 24 सीट, कोपा में 48 सीट, वेल्डर में 40 सीट एवं स्ट्रेनोग्राफी हिन्दी में 24 सीट सहित कुल 176 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।

गोबर डालने के विवाद में घायल पिता की मौत, रतलाम में पड़ोसियों ने तलवार से हमला किया था

मीडिया ऑडिटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के बिलपांक थाना क्षेत्र के सरवड़ जमुनिया गांव में गोबर फेंकने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की जान चली गई। बुधवार सुबह पड़ोसियों ने एक परिवार पर तलवार और लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया था। हमले में गंभीर रूप से घायल 50 वर्षीय व्यक्ति ने बुधवार देर रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बीच-बचाव करने आई मृतक की पत्नी की चार उंगलियां कट गई हैं, जबकि बेटे को भी सिर में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

रास्ते को लेकर था

विवाद, महिलाओं ने शुरू किया था झगड़ा: मृतक के घायल बेटे विमल (30) ने बताया कि बुधवार सुबह उसकी मां राजुबाई (48) घर के पास बने अपने उखड़े (गड्ढे) में गोबर डालने गई थीं। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले अमरसिंह गुर्जर के घर की महिलाओं ने विवाद शुरू कर दिया और राजुबाई के साथ मारपीट की। शोर सुनकर विमल और उसके पिता कैलाश (पिता जगदीश गुर्जर, उम्र 50) मौके पर पहुंचे। वे बातचीत कर मामला सुलझाने की कोशिश कर ही रहे थे कि अमरसिंह, उसके बेटे ओमप्रकाश व अनिल और घर की महिलाओं ने तलवार व लोहे की रॉड से हमला कर दिया। विमल के मुताबिक, उनके



उखड़े के पीछे आरोपियों का मकान है और वे उस जगह को अपना रास्ता बताकर विवाद करते हैं।

बचाव में पत्नी की उंगलियां कटीं, निजी अस्पताल में तोड़ा दम: हमले

में कैलाश गुर्जर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें बचाने आई पत्नी राजुबाई पर भी आरोपियों ने तलवार से वार किया, जिससे उनके एक हाथ की चार उंगलियां कट गईं। बेटे विमल के सिर पर भी गंभीर

चोट आई। तीनों घायलों को पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहाँ कैलाश की हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल ले गए, जहाँ बुधवार देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके बाद शव को मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहाँ गुरुवार सुबह करीब 10 बजे पोस्टमार्टम की कार्यवाही पूरी की गई।

3 महिलाओं समेत 6 पर हत्या का केस, 2 पुलिस अभिरक्षा में: बिलपांक थाना प्रभारी अय्यब खान ने बताया कि पुलिस ने पहले इस मामले में 6 लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले का केस दर्ज किया था। कैलाश की मौत के बाद दर्ज प्रकरण में हत्या की धारा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने

त्वरित कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को अभिरक्षा में ले लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

इन 6 आरोपियों पर दर्ज हुई एफआईआर: पुलिस ने इस हत्याकांड में अमरसिंह (पिता दूधा गुर्जर), उसके बेटे ओमप्रकाश व अनिल के साथ-साथ परिवार की तीन महिलाओं- जुन्ना बाई (पति अमरसिंह), रंजीता बाई (पति ओमप्रकाश) और सन्नु बाई (पति अनिल) के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। सभी आरोपी सरवड़ जमुनिया के ही रहने वाले हैं। गांव में किसी भी तरह के तनाव या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए एहतियातन भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

तेज रफतार स्विफ्ट ने राहगीरों को मारी टक्कर; 200 मीटर पीछा कर भीड़ ने पकड़ा

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के सदर बाजार-कलेक्ट्रेट रोड पर बुधवार रात करीब 11:45 बजे शराब के नशे में धुत एक कार चालक ने जमकर उत्पात मचाया। तेज रफतार स्विफ्ट (MP®-CP4579) ने एमपी ऑफिस चौराहे पर राहगीरों और दो स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद भागने की कोशिश कर रहे आरोपी को आक्रोशित लोगों ने 200 मीटर दूर सांभव बंगले के पास दबोच लिया, जिसके बाद उसे कोतवाली थाने ले जाया गया।

कोल्डड्रिंक पी रहे लोगों को उड़ाया, बाल-बाल बचकी जान: चौराहे स्थित एक दुकान के बाहर कोल्डड्रिंक पी रहे दो लोग और

उनकी खड़ी स्कूटी इस बेकाबू कार की चपेट में आ गईं। दोनों लोग झटके से जमीन पर गिर गए और उनके वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, कार की रफतार इतनी तेज थी कि संभलने का मौका ही नहीं मिला और लगा कि वह किसी को कुचल देगी। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। पकड़े जाने पर गिड़गिड़ाया शराबी, पार्षद ने किया बीच-बचाव हादसे के बाद भागते समय भीड़ ने कार को धेक्कर रकवा लिया। नशे में बुरी तरह लड़खड़ा रहा ड्राइवर लोगों का गुस्सा देखकर झुमा करने लगा और तुरंत हाथ जोड़कर माफी मांगने लगा। इसी दौरान वहां से गुजर रहे वॉर्ड-6 के पार्षद राजेंद्र उपाध्याय ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला।

नौतपा की गर्मी से सूना पड़ा सांची स्तूप परिसर

44 डिग्री तापमान और लू के चलते पर्यटकों ने विश्व पर्यटन स्थल से बनाई दूरी

मीडिया ऑडिटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में नौतपा की भीषण गर्मी का असर विश्व पर्यटन स्थल सांची स्तूप पर साफ दिखाई दे रहा है। गुरुवार को स्तूप परिसर में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा और पर्यटकों की संख्या कम रही। आमतौर पर जहाँ हज़ारों पर्यटक सांची पहुंचते हैं, वहीं इन दिनों तेज गर्मी और लू के कारण लोगों ने यहां का रुख करना कम कर दिया है।

मौसम विभाग ने नौतपा के चौथे दिन आज गुरुवार को जिले में लू का ये लो अलर्ट जारी किया है। नौतपा के पहले और दूसरे दिन अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो तीसरे दिन बढ़कर 44 डिग्री तक पहुंच गया। गुरुवार को दोपहर 1 बजे तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे लोगों का धरों से निकलना मुश्किल हो गया। भीषण गर्मी का सीधा असर सांची स्तूप परिसर में देखा गया।



गुरुवार को यहां इक्का-दुक्का पर्यटक ही नजर आए, और वे भी केवल सुबह या शाम के समय।

हवाओं के कारण पर्यटक लंबे समय तक परिसर में रुकने से बचते दिखे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से लगातार

बढ़ रही गर्मी के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इसके साथ ही, पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों को भी इस मौसम में भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडिटर, विदिशा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत भवन, अहमदापुर में माहवारी स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं प्रबंधन विषय पर जागरूकता एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं को माहवारी के दौरान स्वच्छता, पोषण, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना था। कार्यक्रम में शौर्य दल की स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को माहवारी के समय अपनाई जाने वाली स्वच्छ आदतों, संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

पर्यवेक्षक सीमा ओझा ने बताया कि माहवारी महिलाओं के जीवन की एक प्राकृतिक एवं

सामान्य प्रक्रिया है, जिसे लेकर जागरूकता एवं स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने से अनेक प्रकार की बीमारियों एवं संक्रमणों से बचा जा सकता है। साथ ही उन्होंने बालिकाओं एवं महिलाओं को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए नियमित दिनचर्या, पौष्टिक भोजन एवं स्वच्छता अपनाएने की सलाह दी। उन्होंने माहवारी के दौरान होने वाली सामान्य समस्याओं जैसे कमजोरी, दर्द, संक्रमण आदि के बारे में जानकारी देते हुए उनके निदान एवं सावधानियों पर भी विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने भी अपनी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं को साझा किया, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया। श्री अनुज उनै ने बालिकाओं की सुरक्षा, उनके अधिकारों एवं पॉक्सो एक्ट के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक बालिका को सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण मिलना चाहिए।

मंदसौर में लू और तेज से लोग परेशान: पारा 41 डिग्री पहुंचा

अस्पतालों में बड़े लू और डिहाइड्रेशन के मरीज

मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में इन दिनों भीषण गर्मी और तेज धूप ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। चिल्लाचिलाती धूप, गर्म हवाओं और लू के थपड़े के कारण लोगों का धरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। हालात ऐसे हैं कि लोग केवल जरूरी काम होने पर ही बाहर निकल रहे हैं, जबकि दोपहर के समय शहर की सड़कें और बाजार लगभग सुस्तान नजर आ रहे हैं।

41 डिग्री पहुंचा तापमान: बुधवार को मंदसौर में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि इससे पहले मंगलवार को पारा 40 डिग्री तक पहुंचा था। वहीं न्यूनतम तापमान लगातार 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। तेज गर्म हवाओं और लगातार बढ़ते तापमान ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। गर्मी से बचने के लिए लोग अपना रहे तरह तरह के उपाय तेज धूप और लू से बचने के लिए लोग मुंह पर गमछ, कपड़ा या स्कार्फ बांधकर सफर करते



दिखाई दे रहे हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर के समय लोग धरों में रहने को मजबूर हैं और सुबह या देर शाम के समय ही बाजारों में आवाजाही बढ़ती दिखाई दे रही है। शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों और व्यस्त मार्गों पर दिन के समय सन्नाटा पसरा रहता है, जबकि देर शाम बाजारों में कुछ रौनक लौटती नजर आती है।

दिनचर्या और खान-पान

पर भी असर: भीषण गर्मी का असर आम लोगों को दिनचर्या और खान-पान पर भी साफ दिखाई दे रहा है। लोग दिनभर तेज धूप से बचने के लिए धरों में रहना पसंद कर रहे हैं। बाहर निकलने वाले लोग पूरी तरह शरीर को ढँककर सफर कर रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी के कारण ठंडे पेय पदार्थों, पानी और शीतल खाद्य पदार्थों की मांग भी बढ़ गई है।

अस्पतालों में बड़े लू और डिहाइड्रेशन के मरीज: तेज गर्मी का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी

देखने को मिल रहा है। जिला अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों पर लू और डिहाइड्रेशन से पीड़ित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता बताई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सतर्क रहने और अत्यधिक गर्मी के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

मौसम और स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी जारी: बढ़ती गर्मी को देखते हुए मौसम विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने लोगों से दोपहर के समय धूप में बाहर निकलने से बचने की अपील की है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और शरीर को हाइड्रेट रखने की सलाह दी गई है। इसके अलावा हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने तथा धूप में निकलते समय सिर और चेहरे को ढँककर रखने की सलाह भी दी गई है। प्रशासन ने नागरिकों से आवश्यक रूप से धूप में बाहर नहीं निकलने और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है।



दर्शकों के बर्ताव से नाखुश दिखे जोकोविच, कहा- उम्मीद है अब किसी फ्रेंचिसी खिलाड़ी के खिलाफ नहीं खेलूंगा

पेरिस, एजेंसी। सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन 2026 में दर्शकों के बर्ताव से काफी नाखुश हैं। जोकोविच ने कहा कि उम्मीद है कि टूर्नामेंट में उन्हें अब फ्रांस के किसी भी खिलाड़ी का सामना नहीं करना पड़ेगा। जोकोविच वैलेंटिन रॉयर के खिलाफ हुए मैच में दर्शकों द्वारा की गई लगातार हट्टिंग से गुस्से में नजर आए। जोकोविच ने दूसरे राउंड में रॉयर पर चार सेट में 6-3, 6-2, 6-7(9), 6-3 से जीत हासिल करके अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तरफ कदम बढ़ाया। टूर्नामेंट के लगातार दूसरे मुकाबले में जोकोविच का सामना फ्रांस के खिलाड़ी से हुआ। पहले राउंड में जोकोविच ने जियोवानी मपेट्शी

पेरीकार्ड को हराया था। मैच के दौरान एक समय ऐसा आया जब जोकोविच ने भीड़ की हट्टिंग के बाद ताली बजाई और अंपायर ने शांत रहने को कहा। अंपायर ने कहा, लेडीज एंड जेंटलमैन, कृपा दोनों खिलाड़ियों की थोड़ी इज्जत करें। जोकोविच ने तुरंत कहा, उनमें कोई इज्जत नहीं है। सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं बाकी टूर्नामेंट में किसी और फ्रेंच खिलाड़ी के साथ नहीं खेलूंगा।

शुरुआती दो सेट में जोकोविच का जबरदस्त खेल देखने को मिला। तीन बार के रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन) विजेता रॉयर के पैटर्न को समझ रहे थे और कई लेजर-फोकस शॉट मार रहे थे। हालांकि, रॉयर पीछे हटने को तैयार नहीं थे और उन्हें लगातार अच्छे खेल का इनाम तीसरे सेट में मिला। उन्होंने तीसरे सेट में

अपना हुकड फोरहैंड मारकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। टाई-ब्रेक में जोकोविच ने मैच पॉइंट 6-5 पर बनाए रखा। फिर से रॉयर ने हार नहीं मानी और 24 ग्रैंड स्लैम विजेता खिलाड़ी को पीछे रखने के लिए जोरदार शॉट्स खेले और फुर्तीले मूवमेंट का इस्तेमाल किया। कुछ पॉइंट बाद जोकोविच का एक बैकहैंड लंबा चला गया, जिससे पेरिस के फैंस जोरदार नारे लगाने लगे।

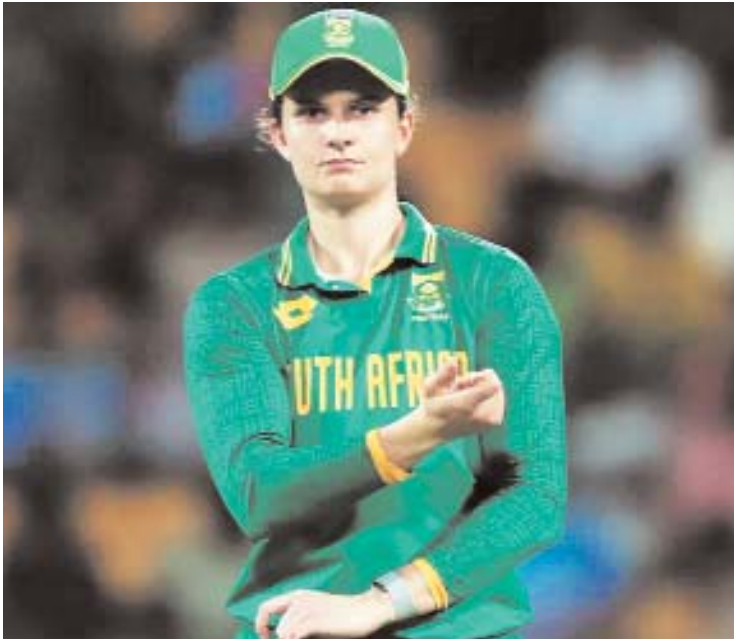
जोकोविच ने कहा, मुझे राहत मिली है। जाहिर है कि जब आप मैच जीतते हैं तो अलग महसूस होता है। मुश्किल हालात में यह दोनों खिलाड़ियों के लिए बहुत जरूरी जीत है। बहुत गर्मी थी, और मुझे लगता है कि रॉयर इस मुकाबले के अपने प्रदर्शन के लिए बहुत श्रेय के हकदार हैं। यह बहुत मुश्किल मैच था, शुरू से ही एक चुनौती थी। यह नॉर्मल है कि इस

तरह के हालात और माहौल में कोर्ट पर चीजें मुश्किल हो जाती हैं। मुझे उम्मीद है कि टूर्नामेंट के आखिर तक मुझे किसी और फ्रेंच खिलाड़ी से दोबारा नहीं खेलना पड़ेगा।

जीत के साथ, जोकोविच ने लगातार 21वां बार रोलैंड गैरोस के तीसरे राउंड में जगह बनाते हुए रिकॉर्ड कायम किया। इसके अलावा, 39 साल के खिलाड़ी किसी एक ग्रैंड स्लैम इवेंट में 120 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए, और उन्होंने रोजर फेडरर के विंबलडन के 119 मुकाबलों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 का अगला मुकाबला ब्राजील के 28वां वरियता प्राप्त फोसेका से होगा, जिन्होंने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्रोएशिया के डिनो प्रिजमिक को हराया और तीसरे राउंड में अपनी जगह पक्की की।

टी20 विश्वकप जीतने के इरादे से उतरेगी दक्षिण अफ्रीका : वोल्वार्ट वैभव ने तोड़े बाउंड्री और छकों के सभी रिकॉर्ड 680 में से 610 रन बाउंड्री से बनाये

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। हाल ही में भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज जीत से उत्साहित दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोल्वार्ट अब अगले माह इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को जीतना चाहती हैं। वोल्वार्ट का कहना है कि उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह खिलाड़ियों को जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने पिछले कुछ साल में लगातार सुधार किया है। वह साल 2023 और 2024 में लगातार दो टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। इसके अलावा, टीम पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप में भी उपविजेता रही थी। लगातार फाइनल में पहुंचने के बाद भी खिताब हासिल नहीं कर पाए की निराशा से टीम नहीं है और उसके अंदर जीत का जज्बा बढ़ा है। वोल्वार्ट ने लिखा, लगातार दो बार टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचना निश्चित रूप से हमारे लिए बेहद खास रहा, लेकिन मुझे लगता है कि इसने हमें एक कदम और आगे बढ़ने के लिए उत्साहित कर दिया है। उनकी टीम को इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा



है। गौरतलब है कि इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले, दक्षिण अफ्रीका ने अप्रैल में पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भारतीय टीम को 4-1 से हरा दिया था। वोल्वार्ट के अनुसार, भारत के खिलाफ सीरीज दुनिया

की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ अपने को आंकने का एक शानदार अवसर था। उस सीरीजको जीतने से टीम का आत्मविश्वास तो बढ़ा ही, बल्कि इसमें भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने टीम की क्षमता और जुझारूपन को दिखाया। हमारे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और उम्मीद है कि विश्व कप में भी यह जारी रहेगा।

इस साल टी20 प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। भारत से पहले, उन्होंने न्यूजीलैंड को 4-1 और पाकिस्तान को 2-1 से पराजित किया था। कप्तान ने तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, अब तक हमारी तैयारी बहुत अच्छी रही है। विश्व कप से पहले हमें न्यूजीलैंड और भारत जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिला, जिससे हमें अलग-अलग हालातों में खुद को परखने का शानदार अवसर मिला। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमों हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो समूहों में बांटा गया है।

मुम्बई, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स को ओर से आईपीएल के 19 वें सत्र में घमाकेदार बल्लेबाजी रने वाले वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल की उम्र में ही बाउंड्री और छकों को लेकर सभी रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। वैभव ने इस सत्र में कुल 680 रन बनाये हैं जिसमें से उन्होंने 610 रन केवल बाउंड्री से बनाये हैं। इसमें 55 चौके और एक आईपीएल सत्र में सबसे अधिक 65 छक्के हैं, जो एक नया रिकॉर्ड है। कई पूर्व क्रिकेटर्स को मानना है कि यदि वैभव अगले दो दशकों तक इसी प्रकार क्रिकेट खेलता रहा, तो वह कई और रिकॉर्ड तोड़ देगा।

वैभव की बल्लेबाजी का अंदाज इतना आक्रामक रहा है कि कुल रनों में से 57 फीसदी रन केवल छकों से बने हैं। वहीं वेस्ट इंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज रहे क्रिस गेल ने कुल 733 रन बनाए थे जिसमें उन्होंने 59 छक्के लगाये थे। इसका अर्थ ये है कि उनके 48 फीसदी रन छकों से बने थे। वैभव ने न केवल गेल



के सर्वाधिक छकों के रिकॉर्ड को तोड़ा है, बल्कि छकों के माध्यम से रन बनाने के प्रतिशत के मामले में भी उन्हें पीछे छोड़ दिया है, जिससे पता चलता है कि वह किस असाधारण प्रतिभा के धनी हैं।

सलराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव ने 28 गेंदों पर 97 रन बना दिये। अपनी इस पारी में इस बल्लेबाज ने 12 छक्के और 5 चौके लगाये।

जून में होगा रग्बी महिला प्रीमियर लीग का आयोजन

16 से 28 जून तक हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में होंगे मुकाबले



हैदराबाद, एजेंसी। रग्बी महिला प्रीमियर लीग (आरपीएल) मुकाबलों का आयोजन अगले माह जून में होने जा रहा है। आयोजकों के अनुसार इस लीग के आयोजन से देश में महिला रग्बी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा। हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में ये टूर्नामेंट 16 से 28 जून तक खेला जाएगा।

इसमें चार फ्रेंचाइजी टीमों खिताब के लिए टकरायेंगी। इनमें चेन्नई ब्लूस्, दिल्ली रेड्स, मुंबई ड्रीमर्स और कोलकाता बंगा टाइगर्स शामिल हैं। इन लीग को प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट घरानों के समर्थन से भी लाभ होगा।

इस लीग का आयोजन जीएमआर स्पोर्ट्स और रग्बी इंडिया मिलकर कर रहे हैं। ये दोनो ही

देश में रग्बी के विकास और प्रसार के लिए प्रतिबद्ध हैं। टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों का चयन एक रोमांचक प्रक्रिया के माध्यम से होगा। चार महिला टीमों और छह पुरुष टीमों (जिनमें मेजबान हैदराबाद हीरोज और बंगलुरु ब्रेवहार्ट्स जैसे नाम शामिल हैं) के लिए खिलाड़ियों का ड्राफ्ट और नीलामी 30 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। इस लीग से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा।

पिछले साल मुंबई में रग्बी प्रीमियर लीग के पहले सफल सत्र का आयोजन किया गया था, और अब महिला टूर्नामेंट की शुरुआत से लीग का दायरा और महत्व काफी बढ़ गया है।

27 जुलाई से दिल्ली में होगी राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक होगी। इस दौरान रोमांचक मुकाबले होने की संभावना है। इस चैम्पियनशिप का आयोजन दिल्ली सरकार और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें 35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है, जो इस आयोजन को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण पहचान दिलाएगा।

इस चैम्पियनशिप न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी बल्कि दिल्ली को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल गंतव्य के रूप में भी स्थापित करेगी। सात दिवसीय इस चैम्पियनशिप में दुनिया भर के टेबल टेनिस खिलाड़ी भी भाग लेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, स्कॉटलैंड, वेल्स, नाइजीरिया, केन्या, जमैका, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे राष्ट्रों के खिलाड़ी अपनी खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। यह विविध भागीदारी टूर्नामेंट को और भी रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी, जिससे दर्शकों को उच्च-स्तरीय खेल का



अनुभव मिलेगा। इस बड़े खेल आयोजन को मेजबानी के लिए तैयारियां जारी हैं। भारत के लिए, यह चैम्पियनशिप टेबल टेनिस के प्रति बढ़ती लोकप्रियता और युवा खिलाड़ियों में इसके प्रति उत्साह को और बढ़ावा देगी। स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी इस आयोजन से बढ़ावा मिलने

की उम्मीद है, जिसमें होटल, परिवहन और अन्य संबंधित सेवाओं में वृद्धि देखी जाएगी। दिल्ली ने अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में अपनी दक्षता बार-बार साबित की है, और 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

वैभव टी20 टीम के लिए तैयार पर अभी टेस्ट में शामिल नहीं कर सकते : गांगुली



कोलकाता, एजेंसी। 15 साल के उमरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में अपनी घमाकेदार बल्लेबाजी के कारण छव्हे बल्लेबाज की थी। वैभव ने पिछले एक साल में लगातार अच्छे प्रदर्शन किया है। उससे उन्हें भारतीय

टीम में शामिल करने की मांग उठने लगी है। वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर-10 विश्वकप और फेरलु रणजी ट्रॉफी में भी अच्छी बल्लेबाजी की थी। वैभव ने आईपीएल के 19 वें सत्र में 500 से अधिक रन बना दिये हैं। उनकी

आक्रामक बल्लेबाजी और निडर होकर किसी भी गेंदबाज पर हावी होने की क्षमता को देखते हुए, कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने उन्हें भारतीय टीम में शामिल करने की मांग की है। विशेष रूप से टी20 प्रारूप में, जहां के लिए उनकी आक्रामक शैली सटीक है। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने कहा है कि वैभव को भारतीय टी20 टीम में तो अभी शामिल किया जा सकता है पर टेस्ट टीम के लिए अभी उन्हें शामिल करना ठीक नहीं है। गांगुली के अनुसार वैभव को सभी इसके लिए इंतजार की जरूरत है।

वैभव को राष्ट्रीय टीम में शामिल किये जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि टी20 प्रारूप में उन्हें बिना देर किए शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि उनका खेल इस प्रारूप की

मांग के अनुरूप है पर जहां तक टेस्ट क्रिकेट की बात है इसके लिए अभी समय है। टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाने के लिए, वैभव को अभी प्रथम श्रेणी क्रिकेट में और अधिक रन बनाने होंगे और अपने को हालातों के अनुकूल ढालना होगा और लाल गेंद क्रिकेट की चुनौतियों का सामना करना होगा। टेस्ट प्रारूप के लिए धैर्य और गहरी तकनीकी समझ और अनुभव की जरूरत है। गांगुली ने वैभव की असाधारण प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए आगे कहा, हालांकि, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह इस समय वास्तव में बेहद प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं। दुनिया के किसी भी शीर्ष गेंदबाज के सामने एक 15 साल के लड़के को इस आत्मविश्वास और कुशलता के साथ बल्लेबाजी करते देखा



भारतीय महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को हराया

पर्थ, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को चार मैचों की दोस्ताना श्रृंखला के दूसरे मैच में शूटआउट में 4-2 से हराकर 1-1 से बराबरी की। शानदार शुरुआत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दसवें मिनट में ओलिविया डोनेस के गोल के दम पर बढ़त बना ली। भारत ने कई मौके बनाये और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करके ऑस्ट्रेलिया को दबाव में रखा। भारत के लिए सुशीला चानू ने 46वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। शूटआउट में भारत के लिए नवनीत कौर, इशिका चौधरी, अन्वू और रूतुजा पिसल ने गोल दगे। तीसरा मैच शुक्रवार को खेला जाएगा।



श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में खेलते दिखेंगे ऑलराउंडर विजय शंकर

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर विजय शंकर अब श्रीलंकाई प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट क्रिकेट में खेलते हुए नजर आयेगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा सत्र 17 जुलाई से 8 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग की ओर से 1 जून को होने वाले प्लेयर ड्राफ्ट के लिए बड़े नामों की सूची जारी कर दी गई है। केंडी रॉयल्स टीम को इसके लिए जारी सूची में विजय शंकर का नाम सबसे पहले शामिल है। विजय के अलावा इंग्लैंड के मोर्दन अली और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन भी इस लीग में खेलेंगे। इन दोनों को ही इसकी संबंधित फ्रेंचाइजियों ने रिटेन किया है, जिससे इस सत्र में रोमांचक प्रतिस्पर्धा की उम्मीद जतायी जा रही है।

साल 2019 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम में शामिल रहे विजय शंकर ने अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेकर रिकॉर्ड बनाया था। वह केंडी रॉयल्स की टीम की ओर से खेलेंगे। उनके आने से उत्साहित लोग की आंसे से कहा गया कि तमिलनाडु के इस तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के आने से केंडी की टीम और बेहतर हुई है। इस टीम में मोर्दन अली के साथ-साथ श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज और वार्निंदु हसरंगा भी शामिल हैं। विजय शंकर ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वह अंतरराष्ट्रीय लीग खेलते दिखेंगे। उन्होंने साल 2018 और 2019 के बीच भारत की ओर से 12 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। आईपीजी रूफ के संस्थापक और सीईओ अनिल मोहन संखर ने लीग के बढ़ते प्रभाव को लेकर कहा, श्रीलंका प्रीमियर लीग लगातार दुनिया के प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देशों से बेहतर प्रतिभाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, जो वैश्विक टी20 लीग के बढ़ते कद को दिखाता है। विजय शंकर, मोर्दन अली, शाकिब अल हसन और श्रीलंका के कई अन्य दिग्गज खिलाड़ियों के इस सीजन में शामिल होने से इसमें उच्च गुणवत्ता वाला क्रिकेट देखने को मिलेगा जिससे अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए ये एक मजबूत मंच के रूप में उभर रहा है। हमारा मुख्य लक्ष्य दक्षिण एशिया में लीग की उपस्थिति को मजबूत करना है, साथ ही खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करना है।

पिछली बार की डिफेंडिंग चैम्पियन और श्रद्धे के इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी, एससी जाफना किंग्स ने भी अपनी टीम को बेहतर बनाए रखने के लिए बांग्लादेश के स्टार खिलाड़ी शाकिब अल हसन के साथ-साथ श्रीलंकाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दुनिथ वेलांगे और भानुका राजपक्षे को रिटेन किया है। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, हर फ्रेंचाइजी को ड्राफ्ट से पहले दो विदेशी और दो श्रीलंकाई मार्की खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी।

इस छठे सत्र में एससी जाफना किंग्स, केंडी रॉयल्स, दाबुला सिक्सर्स, गाले गैलेंट्स और कोलंबो कैप्स की टीमों डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से खिलेंगी जिसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे। यह टूर्नामेंट 17 जुलाई को कोलंबो के एसएससी ग्राउंड में एक उद्घाटन समारोह और जाफना किंग्स तथा गाले गैलेंट्स के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा और 8 अगस्त को आर. प्रेमदासा स्टेडियम में फाइनल के साथ समाप्त होगा।

कोहकामेटा सुशासन शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़



मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार के अंतर्गत नारायणपुर जिले के जनपद पंचायत ओरछा के ग्राम कोहकामेटा में आयोजित समाधान शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की सेवाओं को सरल एवं सुलभ बनाना था, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े। शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित समस्याओं, मांगों और शिकायतों के निराकरण के लिए कुल 326 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 134 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण कर दिया गया। शेष 192 आवेदन वर्तमान में प्रक्रियाधीन हैं।

हितग्राही मूलक योजनाओं के सर्वाधिक मामले निराकृत: शिविर में प्रशासनिक अधिकारियों और विभागीय कर्मचारियों ने मौके पर ही ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। शिविर में सर्वाधिक 90 मामलों का स्वास्थ्य विभाग ने मौके पर निराकरण कर ग्रामीणों को राहत दी। आयुष्मान कार्ड के 8, आधार कार्ड से संबंधित 15, जाति प्रमाण पत्र के 2 तथा निवास प्रमाण पत्र के 3 आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़े 12 मामलों का समाधान किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित कुल 47 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि मनरेगा जांब कार्ड से जुड़े 20 आवेदन दर्ज किए गए। इसी तरह बैंक खाते से संबंधित 2 मामलों का निपटारा किया गया, जबकि अन्य विभागों से संबंधित 84 आवेदन भी शिविर में प्राप्त हुए। ग्रामीणों ने इस पहल पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से (शिविर में) उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सुविधाएं और जानकारी मिल रही है, जिससे उनके समय और संसाधनों की बड़ी बचत हो रही है। कलेक्टर के निर्देशानुसार शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं का लाभ लेने के लिए चिह्नित भी किया गया। इस सुशासन शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासन के आला अधिकारी मौजूद रहे।

संदर्भ से सफलता का सफर नागेश के हौसलों को मिले ट्राइसाइकिल के पहिए

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। अगर मन में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो शारीरिक अक्षमता भी आपके कदमों को नहीं रोक सकती। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है धमतीरी जिला के विकासखंड धमतीरी के ग्राम पीपरछेड़ी के रहने वाले जांबाज छत्र नागेश देशमुख ने। नागेश ने अपनी शारीरिक दिव्यांगता को कभी अपनी पढ़ाई के आड़े नहीं आने दिया, लेकिन उनका यह सफर आसान नहीं था। अब शासन की एक संवेदनशील पहल ने उनके इस कठिन सफर को ट्राइसाइकिल ने न सिर्फ आसान बना दिया है, बल्कि उनके सपनों को नई उड़ान भी दे दी है। कठिनाइयों के बीच नहीं थमे कदम नागेश बचपन से ही पढ़ाई के प्रति बेहद गंभीर और समर्पित रहे हैं। सीमित संसाधनों और रोजमर्रा की शारीरिक दिक्कों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। स्कूल आने-जाने के लिए उन्हें हर दिन एक नए संघर्ष से गुजरना पड़ता था। कभी परिवार के सदस्यों की मदद का इंतजार करना पड़ता, तो कभी खुद ही कष्ट सहकर लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। इस दर्द और थकावट के बाद भी उनका हौसला नहीं डिगा और उन्होंने कड़ी मेहनत के दम पर 11वीं की परीक्षा सम्मानजनक अंकों के साथ उत्तीर्ण की। समाधान शिविर बना जिंदगी का टर्निंग पॉइंट नागेश की जिंदगी में असली बदलाव आया 21 मई को, जब ग्राम पीपरछेड़ी में सुशासन तिहार के अंतर्गत समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में नागेश की तकलीफ को समझते हुए प्रशासन द्वारा त्वरित कदम उठाया गया। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा के हाथों जब नागेश को चमकमती ट्राइसाइकिल मिली, तो उनकी आँखें खुशी से छलक उठीं। यह ट्राइसाइकिल सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि नागेश के लिए आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का एक नया दस्तावेज थी।

नागेश देशमुख ने कहा कि पहले मुझे कहीं भी आने-जाने में बहुत परेशानी होती थी और हमेशा दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन अब यह ट्राइसाइकिल मिलने से मेरा सफर सुखित और आसान हो गया है। अब मैं बिना किसी रुकावट के और बिना किसी भी व्यक्ति के सहारे स्वयं अपनी ओर की पढ़ाई पूरी कर सकूँगा। आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम ट्राइसाइकिल मिलने के बाद नागेश का स्कूल और समाज के बीच का सफर बेहद सहज हो गया है। अब वे अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए किसी और पर आश्रित नहीं हैं। इस मदद ने उनके भीतर एक नया आत्मविश्वास फूट दिया है, जिससे वे अब अपने भविष्य को संवारने की तैयारी में जुट गए हैं। सुशासन की संवेदनशीलता का उदाहरण यह कहानी सिर्फ नागेश की सफलता की नहीं है, बल्कि यह राज्य शासन और जिला प्रशासन की उस संवेदनशीलता को भी दर्शाती है, जो अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचा रही है। सुशासन तिहार के माध्यम से आयोजित ये समाधान शिविर आम नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही निपटारा कर रहे हैं। नागेश जैसी सफलता की कहानियाँ यह साबित करती हैं कि जब जनहितकारी योजनाएँ सही हाथों तक पहुँचती हैं, तो समाज में समानता और सम्मान की एक नई सुबह की शुरुआत होती है।

'बिहान योजना से बदली किस्मत- बकरी पालन ने उदकंवर भानु को बनाया लखपति दीदी'

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आर्थिक और सामाजिक बदलाव का एक बड़ा माध्यम साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री निष्पदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के कारण ग्रामीण महिलाएं अब आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। इसी कड़ी में गोरिला-पेण्डू-मरवाही जिले के पेण्डू विकासखण्ड के ग्राम कोडगार की रहने वाली उदकंवर भानु आज एक सफल व्यवसाय संचालित कर 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवानंन उनकी लगन की खुले दिल से सरहना की।

मजदूरी से लखपति दीदी तक का सफर: कभी मजदूरी कर किसी तरह अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाली उदकंवर भानु के पास आय का कोई स्थायी जरिया नहीं था। कम शिक्षा और सीमित संसाधनों के बावजूद, उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और वर्ष 2017 में बिहान योजना के तहत जय मां संतोषी महिला स्व सहायता समूह से जुड़ गईं। योजना के तहत वित्तीय साक्षरता का प्रशिक्षण लेकर वे

संदर्भ से सफलता तक स्व-सहायता समूह से जुड़कर मंजू बनीं 'लखपति दीदी'

खेती, पशुपालन और स्वरोजगार से हर महीने 30 हजार तक आय अर्जित कर बनीं आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संचालित शासन की योजनाएं प्रदेश में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। बलरामपुर जिला के ग्राम पंचायत संतोषीनगर की निवासी मंजू सखल इसकी प्रेरणादायी मिसाल बनकर उभरी हैं। कभी सीमित संसाधनों और आर्थिक तंगी से जूझने वाली मंजू आज खेती, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और सब्जी व्यवसाय के माध्यम से हर महीने लगभग 30 हजार रुपये की आय अर्जित कर 'लखपति दीदी' के रूप में पहचान बना चुकी हैं। जय मां लक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद मंजू के जीवन में बदलाव की नई शुरुआत हुई। समूह से मिले आर्थिक सहयोग और प्रोत्साहन ने उन्हें स्वरोजगार अपनाने का आत्मविश्वास दिया। उन्होंने समूह से ऋण लेकर खेती



और पशुपालन का कार्य प्रारंभ किया। शुरुआती कठिनाइयों के बावजूद श्रीमती

मंजू ने लगातार मेहनत और लगन से अपने काम को आगे बढ़ाया और आज वे गांव की सफल महिला उद्यमी के रूप में जानी जा रही हैं। मंजू अपने खेतों में सब्जियों का उत्पादन करती हैं और प्रतिदिन बाजार में बिक्री कर अतिरिक्त आय अर्जित करती हैं। उनकी मेहनत और प्रबंधन क्षमता ने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया है। अब वे अपने व्यवसाय का विस्तार करते हुए किराना दुकान शुरू करने की योजना भी बना रही हैं। खेती को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने में शासन की योजनाओं ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कृषि विभाग द्वारा उन्हें सिंचाई पंप उपलब्ध कराया गया, जिससे समय पर सिंचाई संभव हो सकी। वहीं किसान क्रेडिट कार्ड मिलने से कृषि कार्यों के लिए आर्थिक सहायता और सुविधा मिली। श्रीमती मंजू को प्रधानमंत्री आवास

योजना के तहत पक्का मकान मिला, जिससे उनका सुरक्षित घर का सपना साकार हुआ। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय निर्माण से घर में स्वच्छता और सुविधा बढ़ी, वहीं राशन कार्ड के माध्यम से नियमित खाद्यान्न मिलने से परिवार को आर्थिक राहत भी मिली। श्रीमती मंजू मुख्य बतती हैं कि स्व-सहायता समूह से जुड़कर उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय साबित हुआ। आज वे न केवल आत्मनिर्भर हैं, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी समूह से जुड़कर स्वरोजगार अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि यदि निरंतर प्रयास और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि यदि निरंतर प्रयास और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि यदि निरंतर प्रयास और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

डुग्गी की तंग गलियों से शोध के सपनों तक श्रवण बाधित पूजा साहू को मिला नई जिंदगी का सहारा

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। सपनों की कोई आवाज नहीं होती, लेकिन उन्हें पूरा करने का हौसला हर मुश्किल से बढ़ा होता है। गोरिला-पेण्डू-मरवाही जिला के वार्ड क्रमांक 1 सिंचाई कॉलोनी सारबहरा स्मृति वाटिका गोरिला की डुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली 75 प्रतिशत श्रवण बाधित पूजा साहू ने अपने संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास से यह साबित कर दिया है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, दृढ़ इच्छाशक्ति इंसान को मजिल तक पहुंचा ही देती है। आर्थिक अभाव, सुनने में कठिनाई और सीमित संसाधनों के बीच भी पूजा ने हार नहीं मानी। उन्होंने लगातार पढ़ाई जारी रखी और नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने भीतर उच्च शिक्षा हासिल करने का सपना जीवित



रखा। उनका लक्ष्य पीएचडी कर शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाना है। लेकिन श्रवण संबंधी समस्या और आर्थिक कठिनाइयों उनके रास्ते की बड़ी बाधा थीं। अपने सपनों को नई ताकत देने की उम्मीद लेकर पूजा समाज

की चमक साफ दिखाई दी। अब वे अपनी पढ़ाई, संवाद और शोध कार्य को और बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकेंगी। समाज कल्याण विभाग ने संवेदनशीलता दिखाते हुए पूजा को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी अहम पहल की। उन्हें अशासकीय समाजसेवी संस्था प्रगति सेवा संस्था में सामाजिक कार्यकर्ता के पद पर नियुक्त किया गया है, जहां उन्हें प्रतिमाह 10 हजार रुपये मानदेय प्राप्त होगा। यह रोजगार उनके लिए आर्थिक संवल के साथ-साथ आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का नया माध्यम बना। भावुक होकर पूजा साहू ने समाज कल्याण विभाग और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग उनके लिए

मिलेगा। शासकीय परिस्थितियों का मूल्य भी कई गुना बढ़ जाएगा। डिजिटल लैंड बैंक और जीआईएस मैपिंग से होगा निगरानी: बैंक में निष्पक्ष लोकेशन, रकबा (क्षेत्रफल) और वर्तमान स्थिति का डेटा जीआईएस मैपिंग जमीनों को चिह्नित कर उनका व्यावसायिक व जनहित में बेहतर उपयोग किया जाएगा। शासकीय विभागों के अंतर्गत आने वाली सभी खाली जमीनों का एक केंद्रीय डिजिटल लैंड बैंक तैयार किया जाएगा। मैपिंग के जरिए हर प्लॉट की लंबाई चौड़ाई, रकबा (क्षेत्रफल) और वर्तमान स्थिति का डेटा जीआईएस मैपिंग जमीनों को चिह्नित कर उनका व्यावसायिक व जनहित में बेहतर उपयोग

सुशासन तिहार 2026 : 'जब प्रशासन की संवेदनशील पहल से 162 परिवारों के जीवन में आई स्वच्छता और सम्मान की नई सुबह'

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। सूरजपुर जिले में इन दिनों सुशासन तिहार 2026 केवल शासकीय शिविरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण परिवारों के जीवन में उम्मीद, सम्मान और सकारात्मक बदलाव की नई कहानी लिख रहा है। प्रशासन की त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही से जिले के 162 परिवारों को व्यक्तिगत शौचालय निर्माण हेतु प्रशासनिक स्वीकृति मिली है, जिससे उनके घरों में स्वच्छता के साथ आत्मसम्मान की नई रोशनी पहुंची है। कई ग्रामीण परिवार ऐसे थे, जो वर्षों से शौचालय सुविधा के अभाव में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह समस्या केवल असुविधा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय था। लेकिन सुशासन तिहार के शिविरों में दिए गए आवेदनों पर जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाई और कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत 162 पात्र परिवारों को शीघ्र प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। यह पहल ग्रामीण जीवन में गरिमा और स्वच्छता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बनकर सामने आई है।

अब घर में भी होगा सम्मान और सुविधा: स्वीकृति मिलने के बाद ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। कई महिलाओं ने भावुक होकर कहा कि अब उन्हें खुले में शौच जाने की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी। बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी यह सुविधा राहत लेकर आएगी।

सुशासन तिहार 2026 : कस्तूरा में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में दुलदुला विकासखंड के ग्राम कस्तूरा में आयोजित शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में जिला पंचायत उपध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जुदेव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को आवास की चाबी प्रदान की। इनमें ग्राम कस्तूरा के



इसहाक बेक, ग्राम जामपानी के दीनदयाल राम, ग्राम रायडीह के राजेश राम तथा ग्राम बंगुरकेला के पतेश्वर सिंह शामिल हैं। हितग्राहियों ने पक्षे धर की सौगत मिलने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। इसी प्रकार शिविर में पात्र हितग्राहियों को

राशन कार्ड भी विचारित किए गए। राशन कार्ड प्राप्त करने वालों में ग्राम रायडीह की आईती खावा, ग्राम लोरो की अमिया बरवा, ग्राम दुलदुला की बिनिता भगत, ग्राम छेरड्डा की मंगला देवी तथा ग्राम बहन्नी की सुनिता खावा शामिल हैं। हितग्राहियों ने कहा कि अब उन्हें खाद्यान्न योजना का लाभ आसानी से मिल सकेगा। सुशासन तिहार के माध्यम से प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है।

सुशासन एक्सप्रेस से बड़ी लोगों की उम्मीद गांव-गांव पहुंच रहा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में अंतिम व्यक्ति तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई 'सुशासन एक्सप्रेस' ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों के लिए बड़ी उम्मीद बनकर उभरी है। जिला प्रशासन द्वारा नारायणपुर जिले के विभिन्न स्थानों में आयोजित विशेष शिविरों और अभियानों के माध्यम से अब ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी प्रमाण पत्रों, कार्डों और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ सीधे उनके गांव में ही



मिल रहा है। प्रशासन के इस कदम से लोगों के समय और आर्थिक संसाधनों की बड़ी बचत हो रही है।

18 हजार से अधिक आवेदनों का त्वरित निराकरण: जिला प्रशासन से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 25 मई 2026 तक सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से कुल 27 हजार 712 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से प्रशासन की सजगता के चलते 18 हजार 431 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है।

छत्तीसगढ़ में अनुपयोगी सरकारी जमीनों का होगा कार्याकल्प- तैयार होगी रिडेवलपमेंट कार्ययोजना

विभागों, निगम-मंडलों और बोर्डों की खाली जमीनों का होगा व्यवस्थित विकास, बनेगा डिजिटल लैंड बैंक

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में शासकीय विभागों, निगम-मंडलों, कंपनियों और बोर्डों के स्वामित्व वाली अनुपयोगी व खाली जमीनों के व्यवस्थित विकास और सदुपयोग के लिए एक व्यापक रिडेवलपमेंट कार्ययोजना तैयार करने का निर्णय लिया है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए आवास एवं पर्यावरण विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है इस महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर आज मंत्रालय (महानदी भवन) में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और जिला कलेक्टरों से चिन्हित की गई भूमियों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। मुख्य सचिव विकासशील ने कहा कि वर्तमान में अनुपयोगी पट्टी सरकारी जमीनों से न तो शासन को कोई आय हो रही है और न ही जनता को इसका लाभ मिल रहा है। इस रिडेवलपमेंट योजना से जहां शहरों को एक नियोजित विकास



मिलेगा, वहीं शासकीय परिस्थितियों का मूल्य भी कई गुना बढ़ जाएगा। डिजिटल लैंड बैंक और जीआईएस मैपिंग से होगा निगरानी: बैंक में निष्पक्ष लोकेशन, रकबा (क्षेत्रफल) और वर्तमान स्थिति का डेटा जीआईएस मैपिंग जमीनों को चिह्नित कर उनका व्यावसायिक व जनहित में बेहतर उपयोग

किया जाएगा। शासकीय विभागों के अंतर्गत आने वाली सभी खाली जमीनों का एक केंद्रीय डिजिटल लैंड बैंक तैयार किया जाएगा। मैपिंग के जरिए हर प्लॉट की लंबाई चौड़ाई, रकबा (क्षेत्रफल) और वर्तमान स्थिति का डेटा जीआईएस मैपिंग जमीनों को चिह्नित कर उनका व्यावसायिक व जनहित में बेहतर उपयोग

योजनाएं, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, पार्किंग और नए सरकारी कार्यालय बनाए जाएंगे। बड़ी जमीनों के विकास के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल अपनाया जाएगा, जिससे शासन को राजस्व भी मिलेगा। बड़ी जमीनों के विकास के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल अपनाया जाएगा, जिससे शासन को राजस्व भी मिलेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों का विकास: ग्रामीण इलाकों की जमीनों पर कृषि, उद्यानिकी, आधुनिक वेयरहाउस या कौशल विकास केंद्र प्रस्तावित किए जाएंगे। बड़ी जमीनों के सुनियोजित विकास के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल अपनाया जाएगा, जिससे शासन को अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होगी।

जर्जर भवनों को ढहाकर होगा नवनिर्माण, सुरक्षा के कड़े इंतजाम: योजना के तहत ऐसे शासकीय भवनों और परिसरों को चिन्हित किया जाएगा जो पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं और जिनकी